मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 44 ■ अंक : 113 ■ बुधवार, 16 जुलाई 2025 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com FOLLOW US Google Play GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel Subscribe

संपादक – हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

बॉयफ्रेंड की फोटो वाली टीशर्ट में नजर आईं जाह्नवी

घायल महिला 5 घंटे तक एम्बुलेंस के इंतज़ार में रही

■ दोपहर 12 बजे से 108 एम्बुलेंस शाम 5 बजे तक नहीं पहुंच पाई

■ पिज़्ज़ा आधे घंटे में घर पहुँच जाता है, लेकिन एम्बुलेंस नहीं

उल्हासनगर. उल्हासनगर के सेंट्रल अस्पताल में एक गरीब घायल महिला को सरकारी एम्बूलैंस के लिए 5 घंटे तक इंतज़ार करने की घटना ने एक बार फिर सरकारी व्यवस्था की कार्यकुशलता पर सवाल खड़े कर दिए हैं.

मुरबाड तालुका के एक सुदूर गाँव में रहने वाली मोनिका भोईर कल रात को फिसलकर गिर गई उन्हें सिर में गंभीर चोट लग गई. उन्हें एम्बुलैंस उपलब्ध न होने के कारण वहां से उल्हासनगर के सेंट्रल अस्पताल निजी वाहन में लाया गया. डॉक्टरों ने उन्हें सर पर गंभीर चोट के कारण उन्हें आगे के इलाज के लिए मुंबई के केईएम अस्पताल ले जाने को कहा. लेकिन दोपहर 12 बजे से 108 एम्बुलेंस के लिए अनुरोध करने के बावजूद, शाम 5 बजे तक कोई एम्बुलेंस उपलब्ध नहीं हुई.

सामाजिक कार्यकर्ता शिवाजी रगड़े के हस्तक्षेप के बाद ठीक 5.30 बजे शाम को एक एम्बुलेंस उपलब्ध हुई. तब तक, मोनिका भोईर को 5 घंटे तक कष्ट सहना पड़ा. पिज़्ज़ा आधे घंटे में घर पहुँच जाता है, समृद्धि हाईवे से नागपुर से मुंबई पाँच घंटे में पहुँच जाते हैं, लेकिन एक गरीब महिला के लिए समय पर एम्बुलेंस नहीं मिलती, ये सरकार किसके लिए है? यह आक्रोशपूर्ण सवाल शिवाजी रगड़े ने उठाया है. कुछ महीने पहले, समय पर एम्बुलेंस न मिलने के कारण एक युवक की मौत हो गई थी. यह घटना अभी ताज़ा ही है, लेकिन स्वास्थ्य व्यवस्था की लेटलतीफी के कारण एक और जान खतरे में पड़ गई है.

मनपा चुनाव महायुति मिलकर लड़ेगी

■ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने दी जानकारी

उल्हासनगर. भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने कहा है कि भाजपा स्थानीय निकाय चुनाव महागठबंधन के रूप में लड़ेगी, लेकिन जहां कार्यकर्ता चाहेंगे वहां महायुति के नेता निर्णय लेंगे. चूंकि यह चुनाव कार्यकर्ताओं का है, इसलिए कार्यकर्ताओं को एकता के साथ लड़ना जरूरी है. आने वाले दिनों में प्रमुख नेता इस पर विचार करेंगे. चव्हाण ने कहा कि कुछ स्थानों पर विचार करने के बाद निर्णय लिया जाएगा. उन्होंने संकेत दिया कि कुछ स्थानों पर अकेले लड़ने का विकल्प भी है. महायुति के रूप में हम सभी मिलकर यह पता लगाने का प्रयास कर रहे हैं कि हम इसे बेहतर तरीके से कैसे आगे बढ़ा सकते हैं.

चव्हाण ने कहा, ''सभी जानते हैं कि ठाकरे बंधु एक साथ क्यों आए, हम उन्हें केवल विकास के मुद्दे पर जवाब देंगे.'' मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा है कि महाराष्ट्र में मराठी अनिवार्य रहेगी. सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि अन्य भाषाएं वैकल्पिक हैं. विपक्ष बिना किसी कारण के गुमराह कर रहा है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के प्रयासों से छत्रपति शिवाजी महाराज के किलों और दुर्गों को यूनेस्को की सूची में शामिल किया गया. क्या विपक्ष इस निर्णय का सम्मान करता है? यह कहते हुए चव्हाण ने विरोधियों पर निशाना साधा. चव्हाण ने कहा कि उनकी प्राथमिकता संगठन को मजबूत करना और विपक्ष के झूठे नैरेटिव को तोड़ना तथा राज्य और केंद्र सरकार के लाभकारी निर्णयों को राज्य के नैरेटिव को तोड़कर लोगों तक पहुंचाना होगा.

■ **कोंकण में परियोजनाएं किए जाने की आवश्यकता है**

कोंकण से पलायन रोकने के लिए कोंकण में परियोजनाओं की आवश्यकता है. प्रत्येक पंचक्रोशी में कुछ न कुछ सृजन करना आवश्यक है. चव्हाण ने कहा कि मुख्यमंत्री इस संबंध में योजना बना रहे हैं, मुझे विश्वास है कि इससे कोंकण में विकास होगा और पलायन रुकेगा.

■ **उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ अच्छे संबंध**

चव्हाण ने एकनाथ शिंदे के साथ राजनीतिक संघर्ष की चर्चा पर टिप्पणी की. चव्हाण ने कहा कि शिंदे के साथ उनके अच्छे संबंध हैं और प्रदेश अध्यक्ष चुने जाने के बाद शिंदे ने उन्हें फोन कर बधाई दी थी. पार्टी सदस्यों के विरोध के बावजूद सुधाकर बडगुजर जैसे नेताओं को शामिल करने के बारे में पूछे जाने पर चव्हाण ने कहा कि यह निर्णय स्थानीय लोगों से चर्चा के बाद ही लिया जाता है. कुछ स्थानों पर कुछ दिनों तक नाराजगी रहती है. चव्हाण ने कहा कि समय के साथ इसे समाप्त किया जा सकता है.

अंबरनाथ में सैकड़ों ओला-उबर चालकों का आंदोलन

■ ओला-उबर की मनमानी बंद करने के लिए राज्यव्यापी आंदोलन शुरू

■ कैब-टैक्सी बंद रहे

यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ के हुतात्मा चौक पर ओला उबर कैब चालकों ने रास्ते के किनारे पर अपनी वाहनों को बंद रख कर आंदोलन किया. दर्जनों चालकों ने आंदोलन में भाग लिया. उनकी मांगें हैं ओला, उबर, रैपिडो के मनमानी रेट बंद करके सरकारी मीटर दर लागू करो, बाइक टैक्सी ओला उबर चालकों को किसी भी सूरत में नहीं चाहिए. रिक्शा और कैब परमिट पर मर्यादा लाई जाए रिक्शा टैक्सी कल्याणकारी मंडल कार्यान्वित किया जाए. 15 जुलाई मंगलवार सुबह 11 बजे से महाराष्ट्र राज्य के ओला उबर कैब चालकों ने अपनी मांगों को लेकर मुंबई के आजाद मैदान में अपना आदोलन छेड़ रखा है. उसके समर्थन में मंगलवार को चालकों ने अंबरनाथ के हुतात्मा चौक पर अपने कैब बंद कर आंदोलन किया. कुछ ओला उबर चालक मुसाफिरों को बैठा कर ले जा रहे थे. उन कैब को रोककर मुसाफिरों को उतारा गया. जिसके कारण मुसाफिरों को परेशानी का सामना करना पड़ा. ओला उबर चालकों का कहना है कि ओला उबर हमें 8 से 9 रुपए एक किलोमीटर के लिए दे रहा है, जबकि सरकारी रेट 32 रुपए एक किलोमीटर का है. वह उन्हें मिलना चाहिए. सीएनजी जब 38 रुपए था, उस समय का ये रेट है जबकि अभी सीएनजी का रेट 85 रुपए है. ओला उबर की मनमानी बंद होनी चाहिए. इसके लिए सैकड़ों चालकों ने बेमुद्दत आंदोलन छेड़ दिया है.

प्राचीन शिव मंदिर में 'बम बम भोले' की गूंज

अंबरनाथ. उत्तर भारतीयों के श्रावणी सोमवार के अवसर पर यहाँ के प्राचीन शिव मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी थी. उत्तर भारतीय समुदाय में विशेष श्रद्धा से मनाया जाने वाला सावन का महीना 11 जुलाई से शुरू हो गया है. पहला श्रावणी सोमवार होने के कारण, शिवलिंग के दर्शन के लिए सुबह से ही भक्त मंदिर में उमड़ पड़े थे. इस समय, 'बम बम भोले' के जयकारों के साथ शिव मंदिर परिसर में भक्तों का उत्साह उमड़ रहा था. शिव मंदिर के प्रवेश द्वार से लेकर उल्हासनगर की ओर शिव मंदिर पुलिस चौकी होते हुए कैलाश कॉलोनी चौक तक भक्तों की लंबी कतार लग गई थी. भक्त मूसलाधार बारिश में भी कतार में खड़े होकर दर्शन करने का इंतज़ार कर रहे थे.

उल्हासनगर में सनद जारी करने के लिए समिति गठित

■ राजस्व मंत्री ने बैठक के बाद दिए आदेश

उल्हासनगर. सोमवार को राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले से संपर्क कर विधायक सुलभा गायकवाड़ और उल्हासनगर भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश वधारिया ने अतिक्रमणग्रस्त नागरिकों को ज़मीन का मालिकाना हक़ (सनद) दिलाने में आ रही दिक्कतों को दूर करने की मांग की. बावनकुले ने सनद जारी करने के लिए समिति गठित की.

कुछ अपवादों को छोड़कर, उल्हासनगर में सनद जारी करने की प्रक्रिया पिछले कुछ वर्षों से ठप पड़ी हुई है. इसी बीच, सनद घोटाला सामने आया और सरकारी कार्यालयों और उनके खुली जगहों, सामाजिक संगठनों की जगह आदि के लिए वैकल्पिक सनद जारी होने पर हंगामा मच गया. उसके बाद से, नाराज़ नागरिकों द्वारा प्रांतीय कार्यालय पर मोर्चा, भूख हड़ताल और धरना देने का सिलसिला जारी है. उसके बाद भी, सनद का मुद्दा लटका हुआ है.

राजस्व मंत्री बावनकुले से अतिक्रमणकारियों को मालिकाना हक देने, विभिन्न शर्तों में ढील देने, ई-नंबर, यू-नंबर, प्लॉट, चालता नंबर, आस-पास की जमीन और अतिरिक्त जमीन जैसी संपत्तियों को नियमित करने का अधिकार उप-विभागीय अधिकारियों को देने, शहर में अतिक्रमणों को नियमित करते समय जारी किए गए चार्टर को बी-टाइप के बजाय सी-टाइप बनाने जैसी मांगें कीं गई.

विशेष समिति

शहर के भूमि सर्वेक्षण पर रिपोर्ट तैयार कर उसे राज्य सरकार को भेजने, सभी संपत्तियों का मानचित्रण करने, राजस्व विभाग को वास्तविक स्थिति की जानकारी देने और अधिकार-पत्र प्राप्त करने में कोई समस्या न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए राजस्व मंत्री बावनकुले ने ज़िला कलेक्टर, उल्हासनगर मनपा आयुक्त और ठाणे के एसएलआर की एक विशेष समिति गठित की.

महाराष्ट्र स्टाम्प शुल्क संरक्षण योजना के तहत जमा की गई फाइलें नागरिकों द्वारा उल्हासनगर स्थित प्रांतीय कार्यालय में वापस की जानी चाहिए. साथ ही, जिन नागरिकों ने इस योजना का लाभ पाने के लिए मूल दस्तावेज दिए हैं. लेकिन किसी कारणवश या स्टाम्प शुल्क अधिक होने के कारण भुगतान नहीं कर पा रहे हैं. ऐसे नागरिकों की फाइलें वापस की जानी चाहिए, तेजी से काम के लिए शहर सर्वेक्षण कार्यालय में रिक्त पदों को भरना चाहिए, चार्टर जारी करते समय आवेदक द्वारा अतिक्रमण किए गए वर्ष की दर लागू करनी चाहिए, 1980 से पहले जारी किए गए चार्टरों पर अपील करने के लिए उन्हें ठाणे जाना पड़ता है. इसके बजाय, इसके लिए सभी अधिकार उप-विभागीय अधिकारी उल्हासनगर को दिए जाने चाहिए, ऐसी माँग भी की गई है.

महावितरण की समस्याओं का समाधान

■ विधायक डॉ. बालाजी किणीकर ने की बैठक

अंबरनाथ. स्थानीय विधायक डॉ. बालाजी किणीकर ने शहर में महावितरण से जुड़ी विभिन्न समस्याओं के समाधान हेतु कल्याण स्थित महावितरण के तेजश्री कार्यालय में एक बैठक आयोजित की. इस अवसर पर मुख्य अभियंता चिंतामणि मिश्रा ने समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया.

इस बैठक में, अंबरनाथ शहर में बार-बार बिजली गुल होने के कारण खराब ट्रांसफार्मर, बिजली के खंभे और बिजली के तारों को तुरंत बदला जाए, बिजली गुल होने के बाद नागरिकों से प्राप्त शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई की जाए, क्योंकि कई जगहों पर खंभों पर बिजली के तार लटके हुए हैं, जिससे दुर्घटना की संभावना बनी रहती है. चूंकि अधिकारियों द्वारा समस्याओं की अनदेखी की जा रही है, इसलिए संबंधित अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया जाए और उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए, योजना के तहत उपभोक्ताओं को लाभ प्रदान किया जाए, सड़क पर यातायात में बाधा डालने वाले अप्रयुक्त और क्षतिग्रस्त बिजली के खंभों को तुरंत हटाया जाए, उल्हासनगर 5 में बार-बार बिजली कटौती के कारण छोटे उद्योगों और छोटे निर्माताओं को होने वाली समस्याओं और दैनिक वेतन भोगियों को होने वाली समस्याओं का समाधान किया जाए. इन और अन्य समस्याओं पर इस बैठक में चर्चा की गई.

गांजा बेचनेवाला गिरफ्तार

■ 22 हजार रुपये मूल्य का 1600 ग्राम गांजा जब्त

उल्हासनगर. उल्हासनगर शहर के सेंट्रल पुलिस स्टेशन की अपराध जाँच टीम ने गांजा बेचने आए व्यक्ति को रंगे हाथों गिरफ्तार कर उसके पास से 22,000 रुपये मूल्य का 1600 ग्राम गांजा जब्त किया. आरोपी का नाम नवीन रामदास चिंचोले है और वह गौतम बुद्ध नगर में खेमानी रोड पर रहता है. वह सेंट्रल अस्पताल के पीछे खुली जगह में गांजा बेचने आया था.

पुलिस नायक सचिन पाटिल को गुप्त सूचना मिली थी कि वह सेंट्रल पुलिस स्टेशन की सीमा में सरकारी सेंट्रल अस्पताल के पीछे गांजा बेचने आएगा. वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शंकर अवताड़े के मार्गदर्शन में पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे, सहायक पुलिस आयुक्त अमोल कोली, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शंकर अवताड़े, सहायक पुलिस निरीक्षक राकेश शेव गंजले, पुलिस उपनिरीक्षक संजय चव्हाण, पुलिस अंमलदार प्रमोद जाधव, सचिन पाटिल, वैजनाथ राख, सुशांत हंडेदेशमुख, नीलेश नागरे और वसंत डोले की पुलिस टीम ने जाल बिछाया. पैक किए हुए गांजा को बेचने के लिए लाए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया और उसके पास से 22,000 रुपये मूल्य का 1600 ग्राम गांजा जब्त किया गया. आरोपी के खिलाफ सेंट्रल पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है. उसे अदालत में पेश किया गया और दो दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया.

मनपा पर दिव्यांगों का विरोध प्रदर्शन

■ प्रहार दिव्यांग क्रांति संस्था की ओर आंदोलन

■ बड़ी संख्या में दिव्यांगजन मौजूद रहे

■ भारी बारिश में किया प्रदर्शन

■ अपनी मांगों पर अडिग दिव्यांग

उल्हासनगर. प्रहार दिव्यांग क्रांति संस्था की ओर से उल्हासनगर महानगरपालिका के बाहर भारी बारिश में दिव्यांगों को उनके हक़ की सुविधाएँ दिलाने के लिए एक विरोध प्रदर्शन किया गया. इस दौरान बड़ी संख्या में दिव्यांगजन मौजूद रहे. आज, प्रहार दिव्यांग क्रांति संस्था की ओर से उल्हासनगर मनपा के सामने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया ताकि दिव्यांगजनों को उनके हक़ की सुविधाएँ मिलें. भारी बारिश में भी दिव्यांगजन बड़ी संख्या में मौजूद रहे और अपने अधिकारों के लिए एकजुट होकर आवाज़ उठाई. वर्ष 2016 में, सरकार ने स्थानीय स्व-सरकारी निकायों द्वारा दिव्यांगजनों को बाज़ार में स्टॉल उपलब्ध कराने के लिए एक सरकारी आदेश जारी किया था. लेकिन उल्हासनगर मनपा ने इस पर अमल नहीं किया और पहले लगाए गए दिव्यांगजनों के स्टॉल को अनधिकृत घोषित करके हटा दिया. साथ ही, प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि कई ज़रूरतमंद दिव्यांगजनों को केंद्र और राज्य सरकारों की दिव्यांगजन कल्याण योजनाओं का लाभ नहीं मिला है.धरना स्थल पर नारे लगाए गए कि दिव्यांगों को 200 वर्ग फुट जगह में स्टॉल लगाने की अनुमति दी जाए, जो दिव्यांग पहले से स्टॉल लगा रहे हैं उन्हें भी सरकारी मान्यता दी जाए, मुफ्त बस सेवा और सार्वजनिक परिवहन में रियायतें लागू की जाएँ, दिव्यांग छात्रों को मुफ्त शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान की जाएँ, उन्हें उचित आवास और इलेक्ट्रिक साइकिलें दी जाएँ. प्रहार दिव्यांग क्रांति संगठन के अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि 'जब तक प्रशासन स्टॉल के लिए अनुमति और ज़मीन के बारे में स्पष्ट तिथि की घोषणा नहीं करता, तब तक धरना वापस नहीं लिया जाएगा.'

आशेले गांव में असामाजिक तत्वों ने फैलाई दहशत

विधायक सुलभा गायकवाड़ ने विधान सभा में उठाया मुद्दा

उल्हासनगर. आशेले गांव में बढ़ती अपराध दर ने नागरिकों में असुरक्षा का माहौल पैदा कर दिया है और इस गंभीर समस्या को ध्यान में रखते हुए विधायक सुलभा गायकवाड़ ने सीधे महाराष्ट्र विधानसभा में अपनी आवाज उठाई. हथियारबंद युवकों ने गांव में नागरिकों पर हमला किया, वाहनों और दुकानों में तोड़फोड़ की, फिर भी प्रशासन अपराध रोकने के लिए आवश्यक कदम नहीं उठा रहा है? उन्होंने कड़े शब्दों में पुलिस प्रशासन पर निशाना साधा.

आशेले गांव में बढ़ती आपराधिक घटनाओं से ग्रामीणों में भय और असुरक्षा का माहौल पैदा हो गया है. 10 जून को गांव में चार-पांच युवकों ने हाथों में धारदार हथियार लेकर आतंक मचा दिया. उन्होंने नागरिकों पर घातक हमले किए, 20 से 30 वाहनों में तोड़फोड़ की और दुकानों में तोड़फोड़ की. इससे पूरा गांव हिल गया. हालांकि इतनी गंभीर घटना के बाद भी पुलिस और प्रशासन ने ठोस कार्रवाई नहीं की है और स्थानीय लोगों का धैर्य जवाब देने लगा है. इस गंभीर स्थिति को विधानसभा में लाते हुए विधायक सुलभा गायकवाड़ ने आक्रामक रुख अपनाया और पुलिस प्रशासन की कड़ी आलोचना की.

'ये नशेड़ी गुंडे हर दिन हथियारों के साथ घूमते हैं, नागरिकों पर हमला करते हैं, और फिर भी पुलिस चुप रहती है? उन्होंने नाराजगी भरे शब्दों में सवाल किया, 'प्रशासन की यह निष्क्रियता अपराधियों को संरक्षण देने के समान है.'

सुलभा गायकवाड़ ने विधानसभा में दृढ़तापूर्वक कहा कि, 'आशेले गांव में हुई घटना की तुरंत जांच की जानी चाहिए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए.' अन्यथा मैं ग्रामीणों को साथ लेकर सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करूंगी.' उन्होंने चेतावनी दी कि. ग्रामीणों का कहना है कि वे अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं, क्योंकि प्रशासन ने अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है. घर से बाहर निकलना खतरनाक लगता है. इस पृष्ठभूमि में सरकार और प्रशासन के अगले कदम क्या हैं? यह देखना महत्वपूर्ण होगा.

उल्हासनगर में सौ से ज़्यादा बार रहे बंद

■ सरकार के टैक्स वृद्धि के फैसले के खिलाफ आंदोलन

उल्हासनगर. उल्हासनगर के बार मालिकों ने सोमवार को सरकार के टैक्स वृद्धि के फैसले के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाते हुए शहर के रेस्टॉरेंट व बार बंद रखे. राज्य सरकार द्वारा शराब पर वैट, उत्पाद शुल्क और लाइसेंस शुल्क में भारी बढ़ोतरी के खिलाफ आक्रोश जताते हुए शहर के 100 से ज़्यादा बार और परमिट रूम दिन भर के लिए बंद रहे.

शराब पर वैट दोगुना कर दिया गया है, लाइसेंस शुल्क में 15 प्रतिशत और उत्पाद शुल्क में 60 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की गई है. बार मालिकों का कहना है कि इस बढ़ोतरी का सीधा असर बार व्यवसायियों के कारोबार पर पड़ रहा है और कारोबार को चलाना मुश्किल हो गया है.

संगठन के अध्यक्ष प्रकाश शेट्टी ने साफ चेतावनी दी कि अगर सरकार ने इस टैक्स वृद्धि को तुरंत वापस नहीं लिया, तो चाइनीज होटलों और ढाबों में अवैध शराब की बिक्री बढ़ जाएगी. गोवा-दमन से लाई गई शराब काला बाज़ार में बिकेगी और अधिकारियों का नियंत्रण खत्म हो जाएगा. संगठन के सचिव नरेश कंडारे ने नाराज़गी भरे लहजे में कहा कि टैक्स तो पहले ही बढ़ा दिए गए हैं, अब इतनी बड़ी बढ़ोतरी हम कैसे बर्दाश्त करेंगे? किस मुनाफ़े पर हम अपना धंधा चलाएँ? अगर हालात ऐसे ही रहे तो हमें धंधा बंद करना पड़ेगा.

इस विरोध प्रदर्शन में अध्यक्ष प्रकाश शेट्टी, नानिक आहूजा, नरेश कंडारे, उदय शेट्टी, सुरेंद्र शेट्टी, मनीष लोकवानी समेत कई बार मालिक शामिल हुए. उन्होंने एक स्वर में सरकार से माँग की कि लगाए गए अतिरिक्त कर तुरंत वापस लिए जाएँ, अन्यथा राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन होगा.

अंबरनाथ : कर वृद्धि के विरोध में रेस्टोरेंट बंद

अंबरनाथ. राज्य सरकार द्वारा शराब पर मूल्य वर्धित कर, उत्पाद शुल्क और लाइसेंस शुल्क में वृद्धि के विरोध में अंबरनाथ के बार और रेस्टोरेंट संचालकों ने सोमवार को बंद का आह्वान किया. इस विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर शहर के लगभग 40 बार और रेस्टोरेंट दिन भर बंद रहे. भारतीय होटल एवं रेस्टोरेंट एसोसिएशन के नेतृत्व में सोमवार को परमिट रूम और बार बंद रहे. इससे ग्राहकों को काफी असुविधा हुई. व्यापारियों ने भी राज्य सरकार की इस नीति पर कड़ी नाराजगी जताई. शहर के होटलों और रेस्टोरेंट के बाहर तख्तियां लगाई गईं.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

पीड़िता ने किया आत्मदाह

किसी भी आपराधिक घटना में न्याय मिलने में जरूरत से ज्यादा विलंब या न्याय मिलते नहीं दिखना, पीड़ित व उसके परिवार की पीड़ा को कई गुना बढ़ा देता है. कई बार तो पीड़ित व्यक्ति इतना आहत हो जाता है कि उसके जीने की इच्छा तक दम तोड़ देती है. ओड़ीशा में बालासोर के एक कालेज की छात्रा के साथ भी संभवतः यही हुआ. इस छात्रा ने अपने एक शिक्षक के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई थी, जिस पर समय रहते कार्रवाई नहीं होने पर पीड़िता आत्मदाह जैसा चरम कदम उठाने पर मजबूर हो गई और अब उसकी हालत गंभीर बनी हुई है.

सवाल है कि इसके लिए कौन जिम्मेदार है? कालेज प्रशासन ने इस मामले में तत्काल गंभीरता और संवेदनशीलता क्यों नहीं दिखाई? पीड़िता को ऐसा क्यों महसूस हुआ कि उसे न्याय नहीं मिल पाएगा? गौरतलब है कि पीड़ित छात्रा ने संबंधित कालेज की आंतरिक अनुपालन समिति में यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई थी. खबरों के मुताबिक, न सिर्फ उस पर तत्काल जांच जैसी कोई कार्रवाई नहीं हुई, बल्कि मामले को दबाने के लिए दबाव भी बनाया गया. इससे आहत होकर पीड़िता ने खुद को आग लगा ली. अब वह अस्पताल में जिंदगी की जंग लड़ रही है. इस घटना के बाद कालेज के प्राचार्य और विभागाध्यक्ष को निलंबित कर दिया गया है और मामले में मुख्य आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया गया है. साथ ही सरकार ने घटना की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति भी गठित की है. सवाल है कि अगर कालेज प्रशासन की ओर से ऐसी सक्रियता पहले दिखाई गई होती, तो क्या छात्रा को खुद को आग लगाने की हद तक पहुंचने से रोका नहीं जा सकता था? अक्सर देखा गया है कि जब कोई घटना तूल पकड़ लेती है, तो उसके बाद ही शासन और प्रशासनिक अमला हरकत में आकर चुस्ती दिखाने लगता है. जबकि ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई की उम्मीद की जाती है. सरकार को इस तरह की घटनाओं को गंभीरता से लेना चाहिए. यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि आरोप और घटना की गहन जांच हो, सच्चाई सामने आए, दोषी को सजा मिले और लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई हो. तभी न्याय की उम्मीद की जा सकती है.

मजहबी उन्मादी सहयोगियों के माफिया तंत्र पर लगानी होगी लगाम

उत्तर प्रदेश के बलरामपुर में हिंदुओं को मुसलमान बनाने का जैसा तंत्र सामने आया, वह देश के लिए चेतावनी है. यह एक व्यक्ति केंद्रित हिंदुओं को मुसलमान बनाने का ऐसा बड़ा तंत्र है, जो कंपनी की तरह व्यवस्थित है, जिसकी अनेक परतें हैं, जिसमें हिंदुओं को फंसाने, बरगलाने के लिए युवक-युवतियों की फौज सक्रिय है.

छांगुर उर्फ जिंदा पीर उर्फ जलालुद्दीन को जिन्होंने कपड़े, अंगूठी, नग, माला देते देखा होगा, उन्होंने सपने में भी उसके इस रूप की कल्पना नहीं की होगी. ऐसा व्यक्ति, जिसका अपने समाज में भी अधिक महत्व न हो, वह 500 करोड़ से ज्यादा का साम्राज्य खड़ा कर ले, विदेश में भी उसका नेटवर्क हो जाए, हिंदू लड़कियों-महिलाओं को मुसलमान बनाता रहे और उसके विरुद्ध शिकायत करने वाले की ही शामत आ जाए तो इसके विश्लेषण के लिए शब्द ढूंढ़ने पड़ेंगे.

बलरामपुर का मधुपुर गांव उत्तर प्रदेश एटीएस यानी आतंक विरोधी दस्ता, पुलिस, प्रशासनिक अधिकारियों, आयकर विभाग, ईडी से लेकर मीडिया की गतिविधि का केंद्र बना है. प्राथमिक सूचना थी कि वह लगभग 1,500 हिंदुओं को छल-बल से इस्लाम में ला चुका है, किंतु यह संख्या ज्यादा हो सकती है. उसका कई बीघे में बना हुआ आलीशान मकान था, जिसका निर्माण ऐसा था कि लोगों को बंद कर कुछ भी कर दिया जाए तो पता न चले.

छांगुर की कहानी पर सहसा विश्वास नहीं होता. उसने पत्नी को

प्रधानी का चुनाव लड़वाया, वह दो बार जीती और क्षेत्र में उसका कद बढ़ा. नीतू और नवीन के मुसलमान बनने के दस्तावेज दुबई के हैं. दोनों के 19 बार दुबई जाने के रिकार्ड हैं, जिनमें केवल एक बार साथ गए! अजीब रहस्य है. ईसाई मिशनरियां दलितों और जनजातियों को लक्ष्य बनाकर उनका मतांतरण कराती हैं. उनके पास हर क्षेत्र का जनसांख्यिकीय डाटा है. छांगुर ने भी शायद वहीं से डाटा हासिल किया और उत्तर प्रदेश के अलावा अन्य ऐसे जिलों की पहचान की, जहां हिंदू युवतियों-महिलाओं को मुस्लिम बनाने का योजनाबद्ध अभियान चलना था.

छांगुर भारत के इस्लामीकरण में लगा था. यह उसके अकेले के दिमाग की उपज नहीं हो सकती. हिंदू जाति व्यवस्था पर तंज कसने वाले ध्यान रखें कि बड़ी संख्या में सवर्ण लड़कियों ने छांगुर तंत्र के दबाव-प्रभाव में इस्लाम कुबूल किया. नीतू वोरा और नवीन वोरा नसरीन और जमालुद्दीन कैसे बन गए? मुंबई में व्यापार करने वाले दोनों पति-पत्नी छांगुर की हिंदुओं के इस्लामीकरण की कल्पना को साकार करने में जुट गए. आखिर क्यों?

कोई अपने विचार से मजहब बदले, यह उसका अधिकार है. किंतु धन ,बाहुबल और हर तरीके से जाल में फंसाकर, विवश कर इस्लामीकरण का यह तंत्र माफिया गिरोह जैसा था. शायद छांगुर का भयानक तंत्र कायम रहता, यदि चंगुल में फंसी कुछ लड़कियां, महिलाएं बाहर नहीं आतीं. एक घटना में अनाम से संगठन विश्व हिंदू रक्षा परिषद ने जब लखनऊ में कुछ लोगों की हिंदू धर्म में वापसी का हवन किया, तब संज्ञान में आया कि छांगुर इन सबके पीछे है.

एक व्यक्ति हिंदुओं को मुस्लिम बनाने की कारपोरेट शैली में कंपनी खड़ी कर उत्तर प्रदेश से विदेश तक विस्तारित कर लेता है और पुलिस, प्रशासन, जनप्रतिनिधियों को इतने वर्षों तक पता नहीं चलता. छांगुर ने मुख्य मार्ग से अपने घर तक सड़क बना ली. पुलिस प्रशासन में हैसियत ऐसी कि उसके सहयोगी ने पुलिस में शिकायत की तो उसके विरुद्ध ही मुकदमा दर्ज हो गया. एक स्थानीय मुस्लिम उसके बारे में पत्र लिखते रहे, लेकिन कहीं सुनवाई नहीं हुई. उसके खातों में विदेश से पैसे आते रहे और केंद्रीय एजेंसियों के कान खड़े नहीं हुए. इसके अर्थ क्या हैं?

बिहार में तीन वर्ष पहले पीएफआइ के 2047 तक भारत को गजवा-ए-हिंद बनाने के तंत्र से जुड़े मामले में भी फुलवारी शरीफ के मुस्लिम पुलिस अधिकारी के मोबाइल पर खतरनाक मैसेज आया, पर उसकी शिकायत को फाइलों में बंद कर दिया गया. ऐसा अनेक मामलों में होता है. केंद्र और कई प्रदेशों में भाजपा की सरकारों के आने से स्थिति बदली है और भाजपा सरकारों के कारण ही यह कार्रवाई संभव हो सकी.

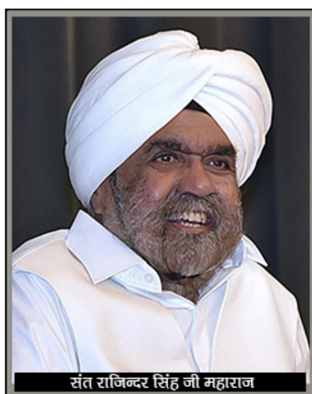

प्रभु सर्वज्ञ हैं,
और प्रभु हर समय हमें देख रहे हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

अहमदाबाद विमान हादसे के अनसुलझे सवाल

बिहार में कुछ महीने के बाद विधानसभा चुनाव होने वाले हैं. मगर राजनीतिक दलों के बीच जनहित से जुड़े मुद्दों पर बात होने के बजाय राज्य फिलहाल जघन्य अपराधों के सिलसिले के लिए सुर्खियों में है. हैरानी की बात यह है कि एक समय 'जंगल राज' का हवाला देकर नीतीश कुमार और उनकी पार्टी ने राज्य की सत्ता हासिल की थी, तो उसकी पृष्ठभूमि में सबसे बड़ा कारण यही था कि उन्होंने आपराधिक घटनाओं के बेलगाम होने और उससे लोगों के असुरक्षित महसूस करने को ही मुख्य मुद्दा बनाया था. उसके बाद नीतीश कुमार पिछले करीब बीस वर्षों से राज्य की सत्ता पर लगातार काबिज हैं.

बिहार में बदलाव के लिए उन्होंने अपना एक सबसे अहम नारा यही दिया था कि वे राज्य में आपराधिक घटनाओं पर रोक लगाएंगे और आम लोगों की जिंदगी को सुरक्षित बनाएंगे. मगर इतने वर्षों के बाद भी अगर जमीनी हकीकत यह है कि अमूमन हर रोज हत्या जैसे जघन्य अपराध बेलगाम हो गए दिख रहे हैं, तो इसकी रोकथाम में नाकामी की जिम्मेदारी किसकी बनती है.

गौरतलब है कि पटना और सारण जिले में रविवार को हुई अलग-अलग घटनाओं में एक वकील और एक शिक्षक की गोली मार कर हत्या कर दी गई. साथ ही, पटना के पिपरा इलाके में एक

स्वास्थ्य अधिकारी की भी हत्या कर दी गई. इसके अलावा, सोमवार को बेगूसराय में तीन लोगों पर गोलीबारी और एक हत्या की घटना सामने आई. ऐसा लगता है कि राज्य में अपराधी पूरी तरह बेखौफ और बेलगाम हो चुके हैं और सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी है.

वरना क्या वजह है कि हाल में पटना में एक बड़े व्यवसायी की हत्या की घटना के तूल पकड़ने के बावजूद राज्य की कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर कुछ भी ऐसा नहीं देखा जा रहा है, जिससे आपराधिक तत्त्वों के भीतर कानून का खौफ पैदा हो और वे किसी अपराध को अंजाम देने से हिचकें. उल्टे ऐसा लगता है कि कानून-व्यवस्था पर से राज्य सरकार की लगाम छूट चुकी है और अपराधी सरेआम अपनी मनमानी कर रहे हैं. सवाल है कि ऐसी स्थिति में राज्य की जनता को सरकार और अपराधों पर काबू पाने की उसकी क्षमता के बारे में क्या सोचना चाहिए?

बिहार में सरकार की लाचारी का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि सब कुछ ठीक होने के तमाम दावों के बावजूद संगीन अपराधों का एक विचित्र सिलसिला सामने आ रहा है, जिसमें व्यापारी, शिक्षक, वकील जैसे अपेक्षया बेहतर स्थिति में माने जाने वाले लोगों को भी घोर असुरक्षा में जीना पड़ रहा है. ऐसे में आम लोगों की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है. राज्य अपराध रेकार्ड ब्यूरो के ताजा आंकडो के मुताबिक, बिहार में जनवरी से जून के बीच हर महीने औसतन 229 लोगों की हत्या के साथ 1,376 मामले सिर्फ हत्या के दर्ज किए गए. राष्ट्रीय अपराध रेकार्ड ब्यूरो के मुताबिक भी बिहार लगातार जानलेवा हथियारों से जुड़े अपराधों के साथ-साथ हिंसक अपराधों के मामले में देश के शीर्ष पांच राज्यों में शामिल रहा है.

अगर सरकार या पुलिस का यह मानना है कि पिछले कुछ समय से अवैध रूप से निर्मित या बिना वैध दस्तावेजों के आधार पर खरीदे गए आग्नेयास्त्र और गोला-बारूद की आसान उपलब्धता ने जघन्य अपराधों के ग्राफ में तेजी ला दी है, तो इसके लिए किसकी जिम्मेदारी बनती है? राज्य सरकार क्या केवल सुशासन के हवा-हवाई दावों और लोकलुभावन वादों के बूते वहां की मौजूदा त्रासद स्थिति का सामना कर सकती है?

देवराहा बाबा की उम्र ने विज्ञान को भी किया हैरान

जरा हट के

भारत सनातन काल से ही ऋषि मुनियों और तपस्वियों का देश रहा है. यहां की धरा पर दिव्या और महान संतों ने अवतार लिया है. चीन की शक्तियां और चमत्कार लोगों को हैरान कर जाते थे. ऐसे ही एक दिव्य महात्मा देवराहा बाबा हुआ करते थे, जिनकी लंबी उम्र हमेशा रहस्य बनी रही. अलग-अलग मतों के अनुसार बाबा की उम्र ढाई सौ से 500 साल तक मानी जाती है. सिद्ध योगी देवराहा बाबा को लेकर कहा जाता है कि उन्होंने दो बार अपने जीर्ण-

शीर्ण शरीर का तप और योग के बल पर कायाकल्प किया था.

बाबा के शिष्य और अनुयायियों की बात करें, तो इसमें तत्कालीन प्रधानमंत्री रहे जवाहरलाल नेहरू से लेकर लाल बहादुर शास्त्री इंदिरा गांधी जैसे नामचीन नाम शामिल है. यही नहीं बाबा जानवर पशु पक्षियों की भाषा को समझते थे और उनसे उन्हें की भाषा में बात उन्हें काबू कर लेते थे. बाबा हमेशा लकड़ी की बनी मचान पर बैठी रहते थे. यहां पर कभी कुछ होता नहीं था, लेकिन वह हजारों लाखों भक्तों के लिए अपने हाथ से प्रसाद देते थे

वृंदावन की प्रतिकृति के रूप में सागर में बना मंदिर 19 जून 1990 को उन्होंने वृंदावन में अपना शरीर त्यागा था इसके बाद वहां पर उनका आश्रम और मंदिर है ठीक वृंदावन की प्रतिकृति के रूप में सागर में भी बाबा का मंदिर बनवाया गया है. जहां पर दिव्य अनुभूति होती है गुरु पूर्णिमा के अवसर पर यहां पर वृंदावन धाम गोरेलाल कुंज के महंत श्री 1008 किशोर दास जू महाराज विराजमान है. सेवादार अनिल तिवारी बताते हैं कि बाबा की उम्र कितनी है. यह ना तो उन्होंने कभी बताई और ना ही कोई पता कर पाया पीढ़ी दर पीढ़ी लोगों ने उनको देखा, इससे अनुमान लगाया जाता है कि उनकी उम्र 350 साल से अधिक रही है और वह साक्षात युगल सरकार के रूप रहे हैं. लोगों ने उन्हें हमेशा एक जैसा ही देखा और वह खुद कहते थे कि बच्चा बहुत दिन से हम यहां पर हैं उन्हें अपनी उम्र का कोई भान नहीं था.

क्रिस्पी सोया कटलेट

खाना-खजाना

सामग्री :

- उबले आलू : 2
- सोया चंक्सः 1 कप
- बारीक कटा प्याजः 1/2 कप
- बारीक कटी हरी मिर्चः 1-2
- अदरक-लहसुन का पेस्टः 1 छोटा चम्मच
- हरा धनियाः 2 बड़े चम्मच, बारीक कटा हुआ
- ब्रेड क्रम्ब्सः 1/2 कप + 2 बड़े चम्मच
- कॉर्नफ्लोर या मैदाः 2 बड़े चम्मच
- लाल मिर्च पाउडरः 1/2 छोटा चम्मच
- धनिया पाउडरः 1 छोटा चम्मच
- हल्दी पाउडरः 1/4 छोटा चम्मच
- गरम मसालाः 1/2 छोटा चम्मच
- अमचूर पाउडरः 1/2 छोटा चम्मच
- नमकः स्वादानुसार
- तेलः तलने के लिए

विधि :

सबसे पहले, सोया चंक्स को गर्म पानी में 15-20 मिनट के लिए भिगो दें. जब वे नरम हो जाएं, तो उन्हें पानी से निकालकर अच्छी तरह निचोड़ लें. अब इन्हें मिक्सर में दरदरा पीस लें या हाथों से अच्छी तरह मैश कर लें. एक बड़े कटोरे में

मैश किए हुए सोया चंक्स और उबले हुए मैश किए आलू लें. इसमें बारीक कटा प्याज, हरी मिर्च, अदरक-लहसुन का पेस्ट, हरा धनिया, 2 बड़े चम्मच ब्रेड क्रम्ब्स, कॉर्नफ्लोर या मैदा, लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर, हल्दी पाउडर, गरम मसाला, अमचूर पाउडर और नमक डालें. सभी सामग्री को अच्छी तरह मिलाएं ताकि एक साथ बंधने वाला मिश्रण बन जाए. अपने हाथों पर थोड़ा तेल लगाएं. मिश्रण का थोड़ा हिस्सा लेकर अपनी पसंद का आकार दें. एक प्लेट में बचे हुए ब्रेड क्रम्ब्स फैला लें. तैयार कटलेट्स को ब्रेड क्रम्ब्स में अच्छी तरह रोल करें. एक कड़ाही में तलने के लिए तेल गरम करें. एक-एक करके कटलेट डालें. कटलेट्स को धीमी से मध्यम आंच पर सुनहरा भूरा और क्रिस्पी होने तक तलें. जब कटलेट्स सुनहरे और क्रिस्पी हो जाएं, तो उन्हें किचन पेपर पर निकाल लें ताकि एक्स्ट्रा ऑयल निकल जाए.

ओरल कैंसर का खतरा बढ़ाती हैं 5 आदतें

इन लक्षणों से वक्त रहते करें इसकी पहचान

ओरल कैंसर, जिसे मुंह का कैंसर भी कहते हैं, एक गंभीर बीमारी है जो होंठ, जीभ, मसूड़ों, गालों के अंदरूनी हिस्से, तालू और गले के टिश्यू को प्रभावित करती है. तंबाकू और सिगरेट इसके सबसे अहम कारण माने जाते गहैं, लेकिन इसके और भी कई कारण हो सकते हैं, जिनपर लोग कम ध्यान देते हैं. स्मोकिंग के अलावा, अनहेल्दी लाइफस्टाइल भी इसका कारण बन सकती है. आइए जानें किन आदतों से ओरल कैंसर का खतरा बढ़ता है और इसकी पहचान कैसे कर सकते हैं.

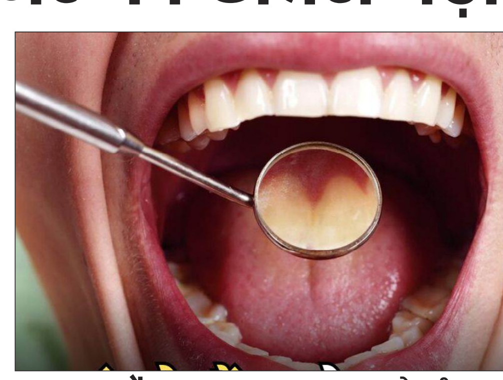

5 आदतें

तंबाकू और स्मोकिंग

तंबाकू चबाना, गुटखा, पान मसाला और सिगरेट पीना ओरल कैंसर का सबसे बड़ा कारण है. तंबाकू में मौजूद निकोटिन और कार्सिनोजेनिक तत्व मुंह के टिश्यू को नुकसान पहुंचाते हैं, जिससे कैंसर सेल्स विकसित होने लगती हैं.

अनहेल्दी डाइट और पोषक तत्वों की कमी

फल और सब्जियां कम खाने से शरीर में एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन्स की कमी हो जाती है, जो सेल्स को डैमेज होने से बचाते हैं. विटामिन-ए, सी और ई की कमी ओरल कैंसर के रिस्क को बढ़ा सकती है.

शराब पीना

अल्कोहल भी ओरल कैंसर के खतरे को बढ़ाता है. जो लोग शराब और तंबाकू दोनों का ही इस्तेमाल करते हैं, उनमें इसका खतरा और भी ज्यादा हो जाता है.

मुंह की साफ-सफाई की अनदेखी

दांतों और मुंह की सही तरीके से सफाई न करने से बैक्टीरिया पनपते हैं और इन्फेक्शन फैलाते हैं, जो लंबे समय में ओरल कैंसर का कारण बन सकते हैं.

HPV इन्फेक्शन

कुछ प्रकार के HPV वायरस ओरल कैंसर का कारण बनते हैं. यह वायरस असुरक्षित सेक्स या इन्फेक्टेड व्यक्ति के कॉन्टेक्ट में आने से फैल सकता है.

ओरल कैंसर के लक्षण

- मुंह में लंबे समय तक रहने वाला छाला या घाव जो ठीक नहीं होता.
- मुंह या गले में लगातार दर्द होना.
- गले या मुंह में सफेद या लाल चकते.
- निगलने या चबाने में दिक्कत होना.
- आवाज में बदलाव या गले में खराश बने रहना.
- मुंह से खून आना या दांतों का ढीला होना.
- गर्दन या जबड़े में सूजन होना.
- ओरल कैंसर का रिस्क कम करने के लिए क्या करें?
- तंबाकू और स्मोकिंग से पूरी तरह परहेज करें.
- शराब बिल्कुल न पिएं. इसकी थोड़ी मात्रा भी सेहत के लिए हानिकारक है.
- बैलेंस्ड डाइट लें, जिसमें फल और हरी सब्जियां शामिल हों.
- नियमित रूप से डेंटल चेकअप – करवाएं और मुंह की सफाई का ध्यान रखें.

आज का राशिफल

मेष : योजना फलीभूत होगी. नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. घर-परिवार में सुख-शांति रहेगी. पुराना रोग उभर सकता है. कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है. विरोधी सक्रिय रहेंगे. सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी. मित्रों की सहायता कर पाएंगे. आय में वृद्धि होगी.

वृषभ : पूजा-पाठ में मन लगेगा. कानूनी अड़चन दूर होगी. जल्दबाजी से हानि संभव है. थकान रहेगी. कुसंगति से बचें. निवेश शुभ रहेगा. पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. व्यवसाय में ध्यान देना पड़ेगा.

मिथुन : आय में निश्चितता रहेगी. शत्रुभय रहेगा. घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी. वाणी पर नियंत्रण रखें. चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. फालतू खर्च होगा. विवाद को बढ़ावा न दें. अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा. तनाव रहेंगे.

कर्क : प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें. व्यापार में लाभ होगा. नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा. निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें. शत्रु पस्त होंगे. विवाद में न पड़ें. अपेक्षाकृत कार्य समय पर होंगे. प्रसन्नता रहेगी. भाग्य का साथ मिलेगा. व्यस्तता रहेगी. प्रमाद न करें. कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति होगी.

सिंह : परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी. स्थायी संपत्ति से बड़ा लाभ हो सकता है. समय पर कर्ज चुका पाएंगे. नौकरी में अधिकारी प्रसन्न तथा संतुष्ट रहेंगे. निवेश शुभ फल देगा. घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी, ध्यान रखें.

कन्या : मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा. व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा. समय की अनुकूलता का लाभ मिलेगा. व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है. दूसरों के झगड़ों में न पड़ें. अपने काम पर ध्यान दें. लाभ होगा. पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा.

तुला : मेहनत अधिक व लाभ कम होगा. किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं. शत्रुओं की पराजय होगी. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. आय में निश्चितता रहेगी. दूर से बुरी खबर मिल सकती है. दौड़धूप अधिक होगी. बेवजह तनाव रहेगा. किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है.

वृश्चिक : जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा. मेहनत का फल मिलेगा. कार्यसिद्धि होगी. निवेश लाभदायक रहेगा. व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा. सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी. निवेश शुभ रहेगा. व्यस्तता रहेगी. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा. चिंता बनी रहेगी.

धनु : बड़ा काम करने का मन बनेगा. उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी. भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी. विरोधी सक्रिय रहेंगे. जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें. झंझटों से दूर रहें. कानूनी अड़चन का सामना करना पड़ सकता है. फालतू खर्च होगा. व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा.

मकर : निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें. नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति संभव है. यात्रा लाभदायक रहेगी. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. कारोबारी बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं. आशंका-कुशंका रहेगी. पुराना रोग उभर सकता है. लापरवाही न करें. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें.

कुंभ : व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. आय होगी. संतुष्टि नहीं होगी. फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें. बजट बिगड़ेगा. कर्ज लेना पड़ सकता है. शारीरिक कष्ट से बाधा उत्पन्न होगी. लेन-देन में सावधानी रखें. अपरिचित व्यक्तियों पर अंधविश्वास न करें. वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें.

मीन : उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे. शेयर मार्केट से बड़ा लाभ हो सकता है. संचित कोष में वृद्धि होगी. नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा. कारोबारी सौदे बड़े हो सकते हैं. व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य प्रभावित होगा, सावधानी रखें. यात्रा लाभदायक रहेगी. डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें.

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

बारिश में झड़ रहे हैं बाल?

तो ये नुस्खा ट्राई करें, मिलेगी राहत

बारिश का मौसम वैसे तो काफी सुहावना होता है, लेकिन इस मौसम में तमाम तरह की परेशानियां सामने आती हैं. इन्हीं दिक्कतों में शामिल है हेयर फॉल का होगा. जी हां, बारिश के मौसम में नमी की वजह से बालों की जड़ें काफी कमजोर हो जाती हैं, जिस कारण हेयर फॉल काफी ज्यादा बढ़ जाता है. इसके अलावा गंदा पानी, पसीना और स्कैल्प की सफाई न होने से बालों का झड़ना आम हो जाता है.

अगर आप भी हेयर फॉल से परेशान हैं और गंजापन का डर आपको भी सता रहे हैं, तो ये लेख आपके लिए है. इस लेख में हम आपको एक ऐसा नुस्खा बताएंगे, जिसको आजमाने के बाद आप भी हेयर फॉल से राहत पा सकते हैं. खास बात ये है कि इस नुस्खे को आजमाना काफी आसान है, और इससे किसी तरह के साइड इफेक्ट का खतरा नहीं होता.

इस नुस्खे को आजमाने की विधि

इस नुस्खे को आजमाने के लिए आपको तीन चीजों की जरूरत पड़ेगी. इन चीजों में 2 चम्मच मेथी दाना, 4 चम्मच नारियल तेल और 1 चम्मच प्याज का रस सबसे अहम माना जाता है.

मिश्रण तैयार करने की विधि

हेयर फॉल को रोकने के लिए आप इन तीन चीजों का मिश्रण तैयार कर सकते हैं. इसके लिए सबसे पहले तो मेथी दानों को रातभर पानी में भिगो दें. अगर आप ऐसा करेंगे तो इससे मेथी पूरी तरह से फूल जाएगी.

फूली हुई मेथी का पेस्ट बनाना ज्यादा आसान होता है. जब मेथी भूल जाए तो सुबह इसे पीसकर पेस्ट बना लें. इसके बाद इस पेस्ट में नारियल तेल में मिलाएं. इन दोनों चीजों को मिक्स करने के बाद इसमें प्याज का रस भी मिला दें. बस ये पेस्ट तैयार है.

इस्तेमाल का तरीका

इस मिश्रण को तैयार करना काफी आसान है. इसके लिए बस ये ध्यान रखें कि पेस्ट को गंदे बालों में न लगाएं, वरना आपकी दिक्कत कम होने की जगह बढ़ जाएगी. तो अपने साफ बालों को पहले तो छोटे-छोटे भागों में बांट लें और फिर इस मिश्रण को स्कैल्प पर अच्छे से लगाएं और हल्के हाथों से मालिश करें. इसके बाद 30-45 मिनट तक इसे ऐसे ही रहने दें. 45 मिनट के बाद अपने बालों को माइल्ड शैंपू से धो लें.

कब करें इस्तेमाल

इस पेस्ट को आप हफ्ते में दो से तीन बार इस्तेमाल कर सकते हैं. इसका असर आपको दो से तीन हफ्तों में आसानी से दिखने लगेगा. यदि ज्यादा हेयर फॉल हो रहा है तो किसी डॉक्टर से सलाह लें, वरना आपकी दिक्कत बढ़ सकती है.

बारिश में गोभी और पत्तागोभी से कीड़े निकालने के तरीके

बारिश के मौसम में हरी सब्जियों को थोड़ा सावधानी से खाना चाहिए, क्योंकि इसमें कई तरह के कीड़े, बैक्टीरिया, फफूंद भी हो जाते हैं. हरी पत्तेदार सब्जियों को तो लोग खूब अच्छी तरह से साफ करके खाते हैं, लेकिन कई बार लोग दूसरी सब्जी को एक बार ही पानी से साफ करते हैं और बस काटकर पका लेते हैं. चलिए जानते हैं फूलगोभी और पत्तागोभी से कीड़े निकालने के तरीके.

- आप फूलगोभी या फिर पत्तागोभी बारिश के मौसम में मिलने वाले भी खरीद कर खाना पसंद करते हैं तो पकाते समय थोड़ी सावधानी बरतें. बारिश के कीड़े इनके अंदर घुसे रहते हैं. इस मौसम में कीड़े लगना आम है. आप फूलगोभी और पत्तागोभी को ध्यान से काटें. इसे काटकर गर्म पानी में थोड़ी देर डुबाकर रखें. इसमें नमक भी थोड़ा सा डाल दें. कीड़े बाहर निकल आएंगे.
- आप गोभी को सिरके वाले पानी में भी डुबाकर थोड़ी देर छोड़कर देखिए. इसमें भी थोड़ा सा नमक मिला सकते हैं. ये सब्जी वाले बरसाती कीड़े तुरंत खुद ब खुद बाहर निकल आएंगे. फिर आप साफ पानी में एक बार और सब्जियों को साफ कर लें.
- एक कटोरे में गर्म पानी लें. उसमें एक चम्मच हल्दी और एक चम्मच नमक डाल दें. गोभी और पत्तागोभी को 15 मिनट के लिए छोड़ दें. दोनों सब्जियों को अलग-अलग कटोरे में डालें.
- सिरके को डालने से सब्जी पर लगे

कीटाणु, बैक्टीरिया और फफूंद निकल जाते हैं. आप नींबू का रस, बेकिंग सोडा वाले पानी में भी फूलगोभी को काटकर डाल दें. लाभ होगा.
- मार्केट में सब्जियों को साफ करने वाला लिक्विड या सैनिटाइजर भी आता है. इनका भी इस्तेमाल बारिश में सब्जियों को पकाने से पहले जरूर करें वरना आपका पेट खराब हो सकता है. पेट में इंफेक्शन हो सकता है.
- आप अपने फ्रिज से बर्फ के टुकड़े निकालें. इसे एक बाउल में डालें और थोड़ा सा पानी डाल दें. इसमें फूलगोभी के छोटे-छोटे कटे हुए टुकड़ों को डालकर छोड़ दें. 10 मिनट के अंदर कीड़े ठंड से अकड़कर खुद ही पानी में ऊपर आ जाएंगे.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

दलित वारंटी की मौत पर हंगामा

संतकबीरनगर. यूपी के संतकबीरनगर में एक दलित वारंटी की मौत को लेकर हंगामा हो गया है. घरवालों का आरोप है कि उसे पुलिस खाना खाते समय घर से उठा ले गई थी. पुलिस चौकी पर पहुंचते ही वारंटी की तबीयत बिगड़ गई. पुलिस उसे लेकर एक प्राइवेट क्लीनिक पर पहुंची लेकिन वहां डॉक्टर ने वारंटी को मृत घोषित कर दिया. गांववालों का आरोप है कि डॉक्टर द्वारा वारंटी को मृत घोषित किए जाते ही पुलिसवाले शव को वहीं छोड़कर चले गए. मामला संतकबीरनगर के महुली थाना क्षेत्र के नगुआ गांव का है. जिस वारंटी की मौत हुई है उसका नाम रामकिशुन था. बताया जा रहा है कि राम किशुन को दिल की बीमारी थी. वह अस्वस्थ चल रहा था.

पॉक्सो एक्ट में झूठा केस दर्ज कराना पर पड़ा महंगा, 3 दिन की कैद और जुर्माना भी

गोंडा. यूपी के गोंडा जिले में अपनी नाबालिग पुत्री से छेड़छाड़ व पाक्सो एक्ट के आरोप में झूठी रिपोर्ट दर्ज कराना वादी को महंगा पड़ गया. मामले की सुनवाई कर रहे अपर जिला जज राजेश नारायण मणि त्रिपाठी ने वादी को तीन दिन की कैद और पांच हजार का जुर्माने की सजा सुनाई. जुर्माने की राशि की अदायगी न करने पर तीन दिन की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी. प्रकरण थाना कौड़िया के अंतर्गत झौहना का है. यहां के वादी ने जिला सीतापुर के गांव व थाना रामपुर निवासी के विरुद्ध इस आशय की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी. आरोप है कि तीन अप्रैल 2022 को उसकी नाबालिग लडकी स्कूल से घर आ रही थी. उसे पकड़कर आरोपी लूटपाट संग अश्लील हरकतें करते हुए छेड़छाड़ करने लगा. पुलिस ने पॉक्सो एक्ट व छेड़छाड़ की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोप पत्र अदालत पर भेज दिया. मुकदमे के ट्रायल के दौरान अभियोजन द्वारा घटना साबित नहीं की जा सकी. अदालत ने वादी द्वारा दर्ज कराई रिपोर्ट को झूठी करार देते हुए आरोपित को दोषमुक्त कर दिया. साथ ही वादी मुकदमा के विरूद्ध अदालत ने झूठी रिपोर्ट दर्ज कराने के आरोप में मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया था.

घर में घुसकर पुरोहित की निर्मम हत्या

देवरिया. देवरिया यूपी के देवरिया में एक पुरोहित की घर में घुसकर निर्मम हत्या कर दी गई है. कमरे में पुरोहित की खून से लथपथ लाश मंगलवार की सुबह मिली. उनके शरीर पर जगह-जगह चाकू के जख्म हैं. माना जा रहा है कि कातिल ने बड़ी बेरहमी से चाकुओं से गोदकर पुरोहित को मार डाला. पुरोहित घर पर अकेले ही रहते थे. उनका इकलौता बेटा इन दिनों पश्चिम बंगाल में रहता है. यह वारदात देवरिया के बरहज थाना क्षेत्र के धौला पंडित गांव में हुई है. सोमवार की रात घर में घुसकर पुरोहित की चाकुओं से गोद कर हत्या कर दी गई. आसपास के लोगों को घटना की जानकारी मंगलवार की सुबह हुई. सूचना मिलते ही एएसपी समेत अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे. धौला पंडित गांव के रहने वाले रामाशीष पांडेय पुत्र स्व.रामनिवास पांडेय पुरोहित थे. घर पर अकेले ही रहते थे, जबकि उनका इकलौता बेटा इन दिनों पश्चिम बंगाल में है. मंगलवार की सुबह वह पड़ोसियों को बाहर नहीं दिखे तो उन्हें कुछ संदेह हुआ. इसके बाद जब वह अंदर जाकर देखे तो अवाक रह गए. कमरे में खून से लथपथ रामाशीष पांडेय का शव पड़ा था. दूर तक खून के छींटे पड़े थे.

20 दिन बाद अंतरिक्ष से पृथ्वी पर लौटे शुभांशु

- स्पेसक्राफ्ट की लैंडिंग कैलिफोर्निया के तट पर हुई

शुभांशु शुक्ला सहित चार एस्ट्रोनॉट 20 दिन अंतरिक्ष में रहने के बाद पृथ्वी पर लौट आए हैं. करीब 23 घंटे के सफर के बाद ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट की आज यानी 15 जुलाई को दोपहर 3 बजे कैलिफोर्निया के तट पर लैंडिंग हुई. इसे स्प्लैशडाउन कहते हैं. चारों एस्ट्रोनॉट एक दिन पहले शाम 4:45 बजे इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से पृथ्वी के लिए रवाना हुए थे.

सभी एस्ट्रोनॉट 26 जून को भारतीय समय के अनुसार शाम 4:01 बजे ISS पहुंचे थे. एक्सियम मिशन 4 के तहत 25 जून को दोपहर करीब 12 बजे ये रवाना हुए थे. स्पेसएक्स के फाल्कन-9 रॉकेट से जुड़े ड्रैगन कैप्सूल में इन्होंने कैनेडी स्पेस सेंटर से उड़ान भरी थी.

शुभांशु की वापसी पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- मैं पूरे देश के साथ ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का उनकी ऐतिहासिक अंतरिक्ष यात्रा से पृथ्वी पर वापसी के लिए स्वागत करता हूं.

शुभांशु ने अपने समर्पण, साहस से अरबों सपनों को प्रेरित किया है. यह हमारे अपनी मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन - गगनयान की दिशा में एक और मील का पत्थर है.

शाम 4:45 बजे ISS से पृथ्वी के लिए निकले थे शुभांशु

- 14 जुलाई को दोपहर करीब 02:15 बजे क्रू ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट में पहुंचा.
- शाम 4:45 बजे स्पेसक्राफ्ट ISS के हार्मनी मॉड्यूल से अनडॉक हुआ.
- 15 जुलाई को दोपहर करीब 3 बजे कैलिफोर्निया के तट पर स्प्लैशडाउन हुआ.

41 साल बाद कोई भारतीय अंतरिक्ष में गया

अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा और भारतीय एजेंसी इसरो के बीच हुए एग्रीमेंट के तहत भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को इस मिशन के लिए चुना गया था. शुभांशु इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर जाने वाले पहले और स्पेस में जाने वाले दूसरे भारतीय हैं. इससे 41 साल पहले राकेश शर्मा ने 1984 में सोवियत यूनियन के स्पेसक्राफ्ट से अंतरिक्ष यात्रा की थी. शुभांशु का ये अनुभव भारत के गगनयान मिशन में काम आएगा. ये भारत का पहला मानव अंतरिक्ष मिशन है, जिसका उद्देश्य भारतीय गगनयात्रियों को पृथ्वी की निचली कक्षा में भेजना और सुरक्षित रूप से वापस लाना है. इसके 2027 में लॉन्च होने की संभावना है. भारत में एस्ट्रोनॉट को गगनयात्री कहा जाता है. इसी तरह रूस में कॉस्मोनॉट और चीन में ताइकोनॉट कहते हैं.

राहुल गांधी का लखनऊ कोर्ट में सरेंडर

- 5 मिनट बाद जमानत
- सेना पर टिप्पणी का मामला
- सांसद प्रमोद तिवारी की पुलिस से नोकझोंक

लखनऊ. कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने मंगलवार दोपहर को लखनऊ कोर्ट में सरेंडर किया. इसके 5 मिनट बाद कोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी. एडिशनल चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट आलोक वर्मा ने 20-20 हजार के दो बॉन्ड पर राहुल को जमानत दी. राहुल के वकील ने जमानत याचिका डाली थी, जिसे कोर्ट ने मंजूर कर लिया. राहुल कोर्ट के अंदर करीब 30 मिनट तक रहे.

राहुल दिल्ली से लखनऊ एयरपोर्ट आने के बाद सीधे एमपी-एमएलए कोर्ट पहुंचे थे. भारतीय सेना पर की गई टिप्पणी को लेकर कोर्ट ने उन्हें पेश होने का आदेश दिया था. पिछली 5 सुनवाई के दौरान राहुल हाजिर नहीं हुए. इसके बाद कोर्ट ने उन्हें समन जारी किया था. जमानत मिलने के बाद राहुल कोर्ट से सीधे अमौसी एयरपोर्ट के लिए रवाना हो गए.

राहुल के वकील प्रांशु अग्रवाल ने कोर्ट से राहुल की पेशी पर छूट की मांग की थी. मगर कोर्ट ने राहुल को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया था. कोर्ट गेट पर गाड़ियों का काफिला पहुंचते ही पुलिस ने राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी और आराधना मिश्रा की कार रुकवा दी. पुलिस से नोकझोंक के बाद दोनों लोग पैदल चलकर अंदर गए.

क्या है मामला?

बॉर्डर रोड ऑर्गेनाइजेशन (BRO) के पूर्व निदेशक उदय शंकर श्रीवास्तव ने 11 फरवरी को सीजेएम कोर्ट में राहुल के खिलाफ केस दायर किया था. इसमें कहा-राहुल ने 16 दिसंबर 2022 को भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सेना पर टिप्पणी की थी. उन्होंने 9 दिसंबर 2022 को भारत-चीन सीमा पर हुई झड़प का जिक्र किया. राहुल ने कहा था कि चीनी सैनिक भारतीय सेना के जवानों को पीट रहे थे. पूर्व निदेशक ने दावा किया था कि राहुल का यह बयान तथ्यों के विपरीत और भ्रामक था. इससे न सिर्फ भारतीय सैनिकों का मनोबल प्रभावित हुआ, बल्कि उनके परिजनों की भावनाएं भी आहत हुईं.

गुजरात में पुल टूटा

- 15 फीट नीचे गिरे 8 लोग
- सभी को बचाया गया
- 7 दिन पहले वडोदरा पुल हादसे में 21 की जान गई थी

जूनागढ़. गुजरात में मंगलवार सुबह जूनागढ़ जिले में मरम्मत के दौरान एक पुल का स्लैब ढह गया. पुल पर मौजूद 8 लोग 15 फीट नीचे गिर गए. हालांकि सभी को बचा लिया गया है.

जूनागढ़ में यह हादसा मांगरोल तालुका के अजाज गांव में हुआ. यह पुल केशोद को माधवपुर से जोड़ने वाला एक मुख्य रास्ता है, जहां से रोजाना कई वाहन गुजरते हैं.

आज सुबह पुल की मरम्मत का काम चल रहा था. तभी अचानक पुल का स्लैब ढह गया और हिताची मशीन तेज आवाज के साथ नीचे गिर गई.

पुल के स्लैब पर कुछ लोग भी खड़े थे, जो स्लैब गिरने पर सीधे नदी में गिर गए, लेकिन गनीमत रही कि किसी को गंभीर चोट नहीं आई.

गुजरात में एक हफ्ते में पुल टूटने की दूसरी घटना सामने आई है. 9 जुलाई को वडोदरा का गंभीर ब्रिज टूट गया था, जिसमें 21 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि एक लापता है.

वाड्रा से मनी लॉन्ड्रिंग केस में 5 घंटे पूछताछ

- ED ने संजय भंडारी से वित्तीय संबंधों पर सवाल-जवाब किए;
- आर्म्स डीलर भारत में भगोड़ा घोषित

नई दिल्ली. इन्फोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ED) ने कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के बिजनेसमैन पति रॉबर्ट वाड्रा से सोमवार को 5 घंटे पूछताछ की. यह मामला ब्रिटेन के आर्म्स डीलर संजय भंडारी और उसके परिवार के सदस्यों के साथ वाड्रा के वित्तीय संबंधों से जुड़ा है.

हाल ही में दिल्ली की एक अदालत ने 63 साल के संजय भंडारी को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया है. इसी के साथ भारत में उसकी करोड़ों रुपए की संपत्ति जब्त करने का रास्ता भी साफ हो गया है. भंडारी 2016 में दिल्ली में इनकम टैक्स की छापेमारी के तुरंत बाद लंदन भाग गया था.

भारत सरकार ने प्रत्यर्पण मामले में भंडारी को बरी किए जाने के खिलाफ ब्रिटेन की एक अदालत से सुप्रीम कोर्ट में अपील करने की अनुमति मांगी थी. हालांकि, कोर्ट ने भारत सरकार की अपील खारिज कर दी.इसके साथ ही भंडारी को भारत लाए जाने की संभावना लगभग खत्म हो गई थी.

सिर्फ लंच के लिए बाहर निकले वाड्रा

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि रॉबर्ट वाड्रा सुबह 11 बजे के बाद दिल्ली स्थित ED के ऑफिस पहुंचे. उनके साथ पत्नी प्रियंका गांधी भी थीं. वाड्रा से शाम पांच बजे के बाद पूछताछ खत्म हुई. इस दौरान वाड्रा एक बार दोपहर में लंच के लिए बाहर निकले थे. न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक, ED ने धन शोधन निवारण अधिनियम (PMLA) के तहत वाड्रा का बयान दर्ज किया. हालांकि, वे ED के कुछ सवालों के जवाब देने में नाकाम रहे. इसलिए उन्हें पूछताछ के लिए फिर से बुलाया जा सकता है.

पुणे पोर्श मामले में आरोपी पर वयस्क की तरह चलेगा मुकदमा?

पुणे. पुणे में पिछले साल नशे की हालत में पोर्श कार चलाने और 2 लोगों को कुचलने के आरोपी 17 वर्षीय लड़के पर किशोर की तरह ही मुकदमा चलाया जाएगा. किशोर न्याय बोर्ड ने यह फैसला सुनाया. इस घटना ने देशभर में सुर्खियां बटोरी थीं. पिछले साल 19 मई को कल्याणी नगर में हुई घटना में मोटरसाइकिल पर सवार आईटी पेशेवर अनीश अवधिया और उसकी दोस्त अश्विनी कोस्टा की मौत हो गई थी. पुणे पुलिस ने पिछले साल यह कहते हुए आरोपी पर एक वयस्क की तरह मुकदमा चलाने का अनुरोध किया था कि उसने जघन्य कृत्य किया है.

भारत सरकार के दखल से

निमिषा प्रिया की टल गई सजा-ए-मौत

यमन में मौत की सजा का सामना कर रही भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को बड़ी राहत मिली है. भारत सरकार के प्रयासों के चलते फिलहाल स्थानीय प्रशासन ने उनकी सजा को टाल दिया है. निमिषा प्रिया के वकील और परिजनों को वक्त दिया है कि वे मृतक तलाल अबदो मेहदी के परिवार से डील कर सकें. उन्हें ब्लड मनी लेने के लिए राजी कर सकें ताकि निमिषा प्रिया की सजा माफ हो जाए. आज सुबह 10:30 बजे मीटिंग थी, जिसके बाद यह फैसला हुआ है. इस मीटिंग में केरल के एक मुफ्ती अबू बकर मुसलियार के दोस्त शेख हबीब उमर भी मौजूद थे.

अब तक यमन की अदालत पर तय था कि निमिषा प्रिया को 16 जुलाई को सजा-ए-मौत दी जाएगी, लेकिन अब इसे टाल दिया गया है. इस मामले में भारत सरकार की ओर से हर संभव प्रयास किए जा रहे थे कि किसी तरह निमिषा प्रिया की जान बचा ली जाए. अब तक इस मामले में कोई ठोस सफलता नहीं मिल पाई थी, लेकिन अब सरकार के प्रयासों से निमिषा प्रिया और मृतक तलाल आबदो मेहदी के परिवार को किसी डील तक पहुंचने के लिए अतिरिक्त समय देने पर सहमति बनी है. तलाल आबदो मेहदी का परिवार अब तक ब्लड मनी लेने के लिए राजी नहीं हुआ है.

भारत सरकार के सूत्रों ने बताया कि यह मामला संवेदनशील है और औपचारिक तौर पर कोई कदम उठाना थोड़ा मुश्किल था. इसके बाद भी वहां मौजूद दूतावास और विदेश मंत्रालय ने प्रयास किए और अब सजा को टालने में सफलता मिली है. बता दें कि सोमवार को इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में भी सुनवाई हुई थी. इस दौरान अदालत ने सरकार से पूछा था कि आखिर आप निमिषा को लेकर क्या कदम उठा रहे हैं. इस पर केंद्र सरकार ने कहा था कि यमन थोड़ा अलग देश है. वहां के नियम और कानून भी अलग हैं. हमारी ओर से प्रयास जारी हैं, लेकिन बहुत ज्यादा कुछ करने की स्थिति में हम नहीं हैं.

गालीबाज महक-परी के साथ हिना और आलम भी गिरफ्तार

इंस्टाग्राम पर अश्लीलता फैलाने वाली गालीबाज महक और परी को मंगलवार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया. दोनों के साथ ही एक अन्य युवती हिना और आलम भी पुलिस के हत्थे चढ़ा है. हिना और आलम वीडियो बनाने में महक और परी की मदद करते थे. आलम ही सभी वीडियो बनाता और एडिट करता था. इनकी वीडियो से फैल रही अश्लीलता से तंग आकर कई लोगों ने इसकी शिकायत पुलिस अधिकारियों से की थी. इसके बाद शनिवार को ही पुलिस ने महक और परी के खिलाफ नामजद और अन्य दोनों के खिलाफ अज्ञात में केस दर्ज किया था. रील से रुपए कमाने और फॉलोवर्स बढ़ाने के लिए चारों इस तरह से अश्लीलता फैला रहे थे. इनकी हर रील में गालियां और अश्लील इशारे होते थे. इन्हीं की बदौलत इंस्टा 4 लाख से ज्यादा फॉलोवर्स भी बना लिए थे.

महक और परी संभल के ही असमोली क्षेत्र की रहने वाली हैं. जबकि हिना और जर्रार आलम अमरोहा के डिडौली में रहते हैं. चारों ने मिलकर Mehakpari143 के नाम से इंस्टा पर आईडी बनाई हुई है. इसी आईडी पर अश्लील और गाली वाले वीडियो पोस्ट करते थे.

ओडिशा सेक्शुअल हैरेसमेंट केस - छात्रा की मौत

- राहुल बोले- बेटियां जल रहीं, PM चुप;
- केंद्रीय मंत्री प्रधान बोले- कांग्रेस राजनीतिक रोटियां सेंक रही

बालासोर. ओडिशा के बालासोर स्थित फकीर मोहन ऑटोनॉमस कॉलेज में खुद को आग लगाने वाली 20 साल की स्टूडेंट ने सोमवार देर रात दम तोड़ दिया. छात्रा 95 फीसदी झुलस चुकी थी और पिछले 3 दिनों से भुवनेश्वर के AIIMS में जिंदगी की जंग लड़ रही थी.

छात्रा की मौत के बाद लोकसभा में कांग्रेस प्रतिपक्ष नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया X पर लिखा- मोदी जी, ओडिशा हो या मणिपुर - देश की बेटियां जल रही हैं, दम तोड़ रही हैं. और आप? खामोश बने बैठे हैं. देश को आपकी चुप्पी नहीं, जवाब चाहिए. राहुल के इस बयान को केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने ओछी राजनीति करार दिया. प्रधान ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि ओडिशा की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है, लेकिन कांग्रेस ने इसे भी अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने का मौका बना लिया है.

क्या है पूरा मामला, 3 पॉइंट

छात्रा फकीर मोहन कॉलेज में इंटीग्रेटेड BEd कोर्स में सेकेंड ईयर की स्टूडेंट थी. उसने 12 जुलाई को हेड ऑफ डिपार्टमेंट (HOD) के सेक्शुअल हैरेसमेंट से परेशान होकर कॉलेज कैंपस में खुद पर केरोसीन छिड़ककर आग लगा ली थी. घटना से पहले वह प्रिंसिपल के पास गई थी, लेकिन प्रिंसिपल ने उसे अपनी शिकायत वापस लेने को कहा था. इसके बाद उसने आत्मदाह कर लिया था. छात्रा को पहले बालासोर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया. वहां से डॉक्टरों ने AIIMS भुवनेश्वर रेफर कर दिया था. ओडिशा पुलिस ने 12 जुलाई को ही आरोपी HOD समीर कुमार साहू को गिरफ्तार कर लिया था. राज्य सरकार ने कॉलेज के प्रिंसिपल दिलीप घोष को सस्पेंड किया था.

भारत ने लॉर्ड्स टेस्ट गंवाया, इंग्लैंड 2-1 से आगे

- जडेजा-राहुल पर ज्यादा निर्भर हुए
- 63 एक्स्ट्रा रन दिए

भारत ने लॉर्ड्स स्टेडियम में एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का तीसरा टेस्ट 22 रन से गंवा दिया. 193 रन के टारगेट के सामने मुकाबले के आखिरी दिन टीम इंडिया 170 रन ही बना सकी. इसी के साथ इंग्लैंड ने 5 टेस्ट की सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली है. भारत की हार में बैटर्स का खराब प्रदर्शन सबसे बड़ी वजह रहा. कप्तान शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल और करुण नायर दोनों पारियों में फ्लॉप रहे. वहीं टीम के लोअर बैटर्स दोनों ही पारियों में बैट से कमाल नहीं कर सके. गेंदबाजी मजबूत रही, इसके बावजूद टीम पहली पारी में बढ़त नहीं ले सकी. इंग्लिश टीम में जोफ्रा आर्चर की वापसी और लॉर्ड्स की पिच पर टॉस गंवाना भी भारत की हार की वजह बना. भारत ने 63 एक्स्ट्रा रन भी दिए.

लीड्स और बर्मिंघम टेस्ट में जहां भारत की बैटिंग शानदार रही थी, वहीं लॉर्ड्स टेस्ट में टीम की बैटिंग ने ज्यादा निराश किया. शुरुआती 2 टेस्ट में शुभमन गिल ने 3 और यशस्वी जायसवाल ने 1 शतक लगाया था. इस बार दोनों मिलकर 39 रन ही बना सके. शुरुआती 2 टेस्ट में 1 भी फिफ्टी नहीं लगा सके करुण भी 40 और 16 रन के स्कोर पर आउट हो गए.

यशस्वी, शुभमन और करुण के खराब प्रदर्शन ने केएल राहुल, ऋषभ पंत और रवींद्र जडेजा पर निर्भरता बढ़ा दी. राहुल ने 100 और 39 रन की पारियां खेलीं. पहली पारी में पंत ने 74 बनाए. वहीं जडेजा ने 72 और 61 रन की पारियां खेलीं, लेकिन तीनों को बाकी बैटर्स का साथ नहीं मिला. इसलिए टीम मजबूत स्थिति के बावजूद पहली पारी में बढ़त हासिल नहीं कर पाई.

लोअर ऑर्डर की फ्लॉप बैटिंग

पहली पारी में गेंदबाजों ने इंग्लैंड को 387 रन के कम स्कोर पर समेट दिया. भारत का स्कोर एक समय 376/6 था, यहां से टीम ने 11 रन बनाने में ही आखिरी 4 विकेट गंवा दिए. दूसरी पारी में राहुल ही 39 रन बना सके. उन्हें छोड़कर जडेजा ने ही थोड़ी फाइट दिखाई, बाकी बैटर्स 15 से कम रन के स्कोर पर ही पवेलियन लौट गए.
दूसरी पारी में मुकाबला जीतने के लिए भारत को 193 रन ही चाहिए थे. यहां यशस्वी और वॉशिंगटन सुंदर खाता भी नहीं खोल सके. नायर ने 14, शुभमन ने 6, पंत ने 9 और नीतीश रेड्डी ने 13 रन बनाए. टीम ने चौथे दिन का खेल खत्म होने तक 58 रन पर ही 4 विकेट गंवा दिए. फिर पांचवें दिन के पहले सेशन में भी 24 रन बनाने में 3 विकेट गंवा दिए. 112 रन पर 8वां विकेट गिरते ही टीम की हार भी कन्फर्म हो गई.

इंग्लैंड का लोअर ऑर्डर; ज्यादा एक्स्ट्रा रन देना

टीम इंडिया के लोअर ऑर्डर बैटर्स जहां पूरी सीरीज में निराश कर रहे हैं, वहीं इंग्लैंड अपने इन्हीं बैटर्स की मदद से ज्यादा स्कोर बना ले रहा है. पहली पारी में टीम ने अपने 7 विकेट 271 रन पर गंवा दिए थे. यहां से ब्रायडन कार्स ने जैमी स्मिथ के साथ पारी संभाली और टीम को 350 के पार पहुंचा दिया. कार्स ने 56 और स्मिथ ने 51 रन बनाए. कार्स ने तो खुलकर शॉट्स खेले और टीम का स्कोर 387 रन तक पहुंचा दिया. दूसरी ओर भारत 6 विकेट गंवाने के बाद भी 11 रन ही बना सका. दूसरी पारी में दोनों टीमों का लोअर ऑर्डर फ्लॉप रहा.

दोनों पारियां मिलाकर भारत ने एक्स्ट्रा रन भी ज्यादा दिए. टीम ने पहली पारी में 13 लेग बाय छोड़कर 18 एक्स्ट्रा रन दिए. दूसरी पारी में यह बढ़कर 26 हो गए. यानी मैच में 44 एक्स्ट्रा रन. जबकि इंग्लैंड ने 18 रन ही एक्स्ट्रा दिए. लेग बाय के भी एक्स्ट्रा गिनें तो भारत ने 63, जबकि इंग्लैंड ने 30 ही एक्स्ट्रा रन खर्च किए. भारत ने महज 22 रन से मैच गंवाया.

उल्हासनगर महानगरपालिका, उल्हासनगर
प्रभाग समिती क्र.4

जा.क्र. उमपा/सहा. आ/प्र.स4/482/2025
सहायक आयुक्त, प्र.स 4 कार्यालय,
उल्हासनगर महानगरपालिका,
उल्हासनगर-421005.
दिनांक : 11/07/2025

नोटीस

(महाराष्ट्र नागरी क्षेत्र झाडांचे संरक्षण व जतन अधिनियम 1975 चे कलम 8 (3) अन्वये)

उल्हासनगर महानगरपालिका क्षेत्रात प्रभाग समिती क्र.4 चे हद्दीत खाली नमुद केलेल्या ठिकाणी वृक्ष तोडणेसाठी प्रस्ताव प्राप्त झालेला आहे.

अ.क्र.	अर्जदाराचे नांव	ठिकाण	झाडाचा तपशिल			
			झाडाची जात	फांद्याचा संख्या	झाडाची लांबी	फांद्याचा व्यास
1	श्री. राजू प गिरी	ब्लॉक सी 936, न्यु इंग्लिश स्कूल समोर, कुर्ला कॅम्प रोड, उल्हासनगर-421004	जंगली	1	सुमारे 12 फुट	6 इंच
				1	सुमारे 9 फुट	4.4 इंच
				1	सुमारे 8 फुट	5.4 इंच

उक्त नमुद केलेल्या ठिकाणी असलेले वृक्ष छाटण्यासाठी कोणत्याही इसमाची हरकत असल्यास त्यांनी आपली हरकत लेखी स्वरुपात दिनांक 18/07/2025 पूर्वी सहायक आयुक्त तथा वृक्ष अधिकारी प्रभाग समिती क्र.4, अग्निशमन इमारत, उल्हासनगर-421005 या कार्यालयात सादर करावी. मुदतीत लेखी हरकत प्राप्त झाल्यास संबंधितास सुनावणी देऊन अंतीम निर्णय घोतला जाईल, विहित मुदतीत हरकत प्राप्त न झाल्यास प्रस्तुत प्रकरणी गुणवत्तेवर निर्णय घेण्यात येईल, याची नोंद घ्यावी.

सही/-
(अलका पवार)
वृक्ष अधिकारी तथा सहा आयुक्त
प्रभाग समिती क्र 4
उल्हासनगर महानगरपालिका

जा. क्र. उमपा / पीआरओ /193/2025
दिनांक :- 15/07/2025

संक्षेप...

14 वर्षीय छात्र की लाश 48 घंटे दिन बाद नदी में मिली

भिवंडी. भिवंडी तालुका के शेलार गांव का निवासी एक 14 वर्षीय छात्र सूरज तिवारी अपने दोस्तों के साथ ट्यूशन पढ़ने के लिए घर से निकला था. रास्ते में सभी दोस्त कामवारी नदी के पास रुककर नहाने लगे. बारिश के मौसम में नदी में पानी का बहाव तेज होने के कारण वह अचानक पानी की प्रवाह में डूब कर बह गया.काफी खोजबीन के बाद घटना के दो दिन बाद नदी से शव बरामद हुआ है.घटना को लेकर शेलार गांव में मातम फैल गया है.

मुस्लिम ओला ड्राइवर के साथ मारपीट

नवी मुंबई. उरण क्षेत्र में मुस्लिम ओला ड्राइवर को सिर्फ इसलिए मारा-पीटा किया गया क्योंकि वह मराठी में बात नहीं कर सका. पीड़ित ड्राइवर मोहम्मद हबीब शेख, मुंबई के मानखुर्द इलाके के रहने वाले हैं. हबीब ने बताया कि वह गोरेगांव से एक पैसेंजर को लेकर उरण गया थे. वापसी में जब उन्हें वाशी की बुकिंग मिली, तो उन्होंने स्वीकार कर लिया. लेकिन उरण में कुछ स्थानीय ऑटो ड्राइवरों ने उनका रास्ता रोक लिया और सवारी बिठाने से मना कर दिया. इतना ही नहीं उन लोगों ने हबीब के साथ मारपीट भी की.

पार्टी की छवि खराब की तो कार्रवाई होगी -एकनाथ शिंदे

- विधायक जो भी करते हैं, जिम्मेदारी मेरी
- शिवसेना MLA ने कैंटीन कर्मचारी को थप्पड़ मारा था

मुंबई. महाराष्ट्र में विधायक कैंटीन के कर्मचारी को थप्पड़ मारने की घटना पर डिप्टी सीएम और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने अपनी पार्टी के नेताओं को सख्त हिदायत दी है. उन्होंने कहा कि विधायक जो भी करते हैं, उसकी जिम्मेदारी मुझ पर आती है. इस वजह से सभी को अपने बर्ताव पर नियंत्रण रखना चाहिए.

शिंदे ने सोमवार को कहा कि नेता चाहे कितने भी बड़े पद पर हों, पहले खुद को पार्टी का कार्यकर्ता समझें. सफलता को सिर पर न चढ़ने दें. उन्होंने यह भी कहा कि अगर किसी ने फिर से पार्टी की छवि खराब की, तो उन्हें कार्रवाई के लिए मजबूर होना पड़ेगा. शिवसेना के बुलढाणा से विधायक संजय गायकवाड़ ने 8 जुलाई को एक कैंटीन कर्मचारी को थप्पड़ मार दिया था. गायकवाड़ ने खुद इस घटना को स्वीकार किया और कहा कि उन्हें कोई पछतावा नहीं है.

अगर जनता नाराज हुई तो पद बचाना मुश्किल होगा

शिवसेना के दो मंत्रियों संजय शिरसाट और संजय राठौड़ पर भी भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं. शिरसाट के घर से नकदी से भरा बैग मिलने का वीडियो भी वायरल हुआ है. शिंदे ने नेताओं से कहा कि वे विवादों में न उलझें और जनता के बीच अच्छा संदेश दें, क्योंकि अगर जनता नाराज हुई तो पद बचाना मुश्किल होगा.

शिवसेना (शिंदे गुट) विधायक संजय गायकवाड़ ने 8 जुलाई को खाने की क्वालिटी सही नहीं मिलने पर मुंबई के आकाशवाणी विधायक गेस्ट हाउस के कैंटीन स्टाफ के साथ मारपीट की थी. इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था.

शशिकांत शिंदे बने NCP-SC के नए अध्यक्ष

- जयंत पाटिल ने हाल ही में दिया था इस्तीफा

मुंबई. एनसीपी (एसपी) सुप्रीमो शरद पवार ने महाराष्ट्र में होने वाले निकाय चुनाव से ठीक पहले शशिकांत शिंदे को पार्टी का नया प्रदेश अध्यक्ष घोषित किया है। सात साल से पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रहे जयंत पाटिल के इस्तीफे के बाद शशिकांत को पार्टी की कमान सौंपी गई है।

शशिकांत पिछले साल हुए लोकसभा चुनाव में छत्रपति शिवाजी महाराज के 13वें वंशज और भाजपा उम्मीदवार उदयनराजे भोसले से चुनाव हार गए थे। पूर्व मंत्री शशिकांत पार्टी प्रमुख शरद पवार के भरोसेमंद नेता माने जाते हैं। मंगलवार को एनसीपी (एसपी) की बैठक में शशिकांत को सर्वसम्मति से प्रदेश का अध्यक्ष चुना लिया गया।

बैठक में शरद पवार ने मंच से कहा कि अध्यक्ष पद के लिए उन्हें केवल एक ही नाम मिला है। उन्होंने उपस्थित नेताओं से पूछा कि क्या कोई और नाम प्रस्तावित करना चाहता है या चुनाव लड़ना चाहता है, लेकिन किसी ने रुचि नहीं दिखाई। इसके बाद शिंदे के नाम की सर्वसम्मति से घोषणा कर दी गई।

बैठक को संबोधित करते हुए शरद पवार ने जयंत पाटिल को सात वर्षों तक राज्य इकाई के अध्यक्ष बने रहने के लिए धन्यवाद दिया । उन्होंने कहा कि वे पार्टी के लिए आगे भी काम करते रहेंगे।शशिकांत अविभाजित राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के गठन के समय से ही पवार के साथ रहे हैं। एनसीपी के विभाजन के बाद भी उन्होंने पवार का साथ नहीं छोड़ा। शशिकांत को पश्चिम महाराष्ट्र में पार्टी के प्रमुख नेताओं में से एक माना जाता है। पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर शशिकांत ने कहा, पार्टी में कई दिग्गज नेता हैं, लेकिन उन्हें यह मौका मिला है। मैं राज्य में विपक्ष की रिक्त जगह को भरने की कोशिश करूंगा।

रिक्शा चालक द्वारा छात्रा के अपहरण की कोशिश

- छात्रा ने बहादुरी से अपहरण की कोशिश को किया नाकाम

भिवंडी. भिवंडी में एक रिक्शा चालक ने अपने साथी के साथ मिलकर एक स्कूली छात्रा के अपहरण की कोशिश की. छात्रा ने बहादुरी से रिक्शा चालक पर हमला किया और खुद को बचाने में कामयाब रही.

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, फातिमा नगर इलाके में रहने वाली 16 वर्षीय नाबालिग छात्रा बुधवार की दोपहर 12 बजे रिक्शा से स्कूल के लिए निकली थी.जब उसका रिक्शा रामनगर स्थित पानी की टंकी के पास स्कूल के पास पहुंचा, तो छात्रा ने उसे रिक्शा रोकने को कहा. रिक्शा चालक ने रिक्शा न रोककर छात्रा को दूसरी तरफ ले जाकर जबरदस्ती अगवा करने की कोशिश की. छात्रा ने सावधानी बरतते हुए अपने स्कूल बैग में रखे कंपास बॉक्स से रिक्शावाले को मारा.बगल में बैठे उसके साथी को धक्का दिया, रिक्शा से कूद गई और स्कूल पहुँच गई.घर पहुँचकर उसने अपने माता-पिता को घटना की जानकारी दी. छात्रा की शिकायत के बाद शांति नगर पुलिस स्टेशन में अज्ञात रिक्शा चालक और उसके साथी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 137 (2), 62 के तहत मामला दर्ज किया गया है.

अवैध गोदामों को वैध कराने का कपिल पाटिल ने उठाया बीड़ा

- पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री पाटिल मुख्यमंत्री से करेंगे मुलाकात

भिवंडी. भिवंडी तालुका में स्थानीय भूमिपुत्रों द्वारा जीविका चलाने के लिए बनाए गए हजारों अवैध गोदामों को वैध घोषित करवाने के लिए पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री कपिल पाटील ने पहल की है.उन्होंने कहा कि इन गोदामों को कानूनी मान्यता दिलाने और लगभग 20 से 25 लाख लोगों के रोजगार को सुरक्षित रखने के लिए वे स्वयं मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात कर इस मुद्दे को उठाएंगे. स्थानीय भूमिपुत्र किसान और गोदाम मालिकों ने पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री पाटिल की इस पहल का जोरदार समर्थन करते हुए स्वागत किया है.

कपिल पाटील ने सवाल उठाया कि क्या भिवंडी के भूमिपुत्रों को भी गिरणी कामगारों की तरह देश निकाला दिया जाएगा? उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी जनप्रतिनिधि को स्थानीय लोगों के व्यवसाय में बाधा नहीं डालनी चाहिए, बल्कि उन्हें विकास कार्यों के विकास पर ध्यान देना चाहिए. हाल ही में विधानमंडल में भिवंडी के गोदामों और रासायनिक गोदामों में लगने वाली आग को लेकर चर्चा हुई थी, जिसके बाद गोदाम मालिकों और भूमिपुत्रों में चिंता का माहौल है.

इसी पृष्ठभूमि में कपिल पाटील ने भिवंडी के उपविभागीय अधिकारी अमित सानप को

अग्निशमन से जुड़ी समस्याओं सहित अन्य मुद्दों को लेकर एक निवेदन सौंपा.उन्होंने बताया कि भिवंडी के ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकांश गोदाम ग्राम पंचायत काल में बनाए गए थे. जब यह क्षेत्र एमएमआरडीए के अधीन आया, तो नियमों के तहत ये गोदाम अवैध घोषित कर दिए गए. उन्होंने इसे भूमिपुत्रों के साथ अन्याय बताया.

कपिल पाटील ने कहा कि इन गोदामों से लाखों लोगों को रोजगार मिला हुआ है, लेकिन हर बार अधिवेशन के दौरान ही अतिक्रमण का मुद्दा उठाया जाता है.उन्होंने आग्रह किया कि गोदामों पर कार्रवाई करने के बजाय स्थानीय समस्याओं को हल किया जाए और अग्निशमन केंद्रों की स्थापना की जाए, ताकि रोजगार प्रभावित न हो.

कपिल पाटील ने कहा कि गोदामों को वैध करने की पुरानी प्रक्रिया में कई खामियां थीं. एक नई नीति लाने के लिए मुख्यमंत्री से भूमिपुत्रों के साथ मिलकर बातचीत की जाएगी. उन्होंने यह भी जानकारी दी कि विरार-अलीबाग कॉरिडोर में भूमि जाने वाले भिवंडी के किसानों को अलग-अलग गांवों के रेडीरेकनर दरों के अनुसार मुआवजा दिया जा रहा है, जिसका विरोध हो रहा है. उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर जल्द ही जिलाधिकारी के साथ बैठक होगी और वहां समाधान न होने की स्थिति में राज्य स्तरीय समिति के समक्ष मामला रखा जाएगा.उनका प्रयास रहेगा कि किसानों को अधिकतम रेडीरेकनर दर के अनुसार मुआवजा दिलाया जाए.

केसी लॉ कॉलेज ने अपना 70वां स्थापना दिवस मनाया

मुंबई. चर्चगेट स्थित हैदराबाद (सिंध) नेशनल कॉलेजिएट बोर्ड के सुप्रसिद्ध किशनचंद चेलाराम लॉ कॉलेज ने 7 जुलाई 2025 से 12 जुलाई 2025 तक श्री किशनचंद चेलाराम स्मृति व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन करके अपनी स्थापना के 70 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया. प्राचार्य डॉ. कविता लालचंदानी ने इस ऐतिहासिक स्थापना दिवस समारोह में बताया कि केसी लॉ कॉलेज अपनी स्थापना के 70 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में शैक्षणिक वर्ष 2024-2025 में 70 व्याख्यान भी आयोजित करेगा. न्यायाधीशों, सॉलिसिटरों और अंत:विषय अध्ययनों के विशेषज्ञों सहित विधि जगत के 70 संसाधन व्यक्तियों ने

व्याख्यान दिए.

व्याख्यान श्रृंखला के पहले पाँच दिनों में विधि विशेषज्ञों और अन्य संकाय विशेषज्ञों द्वारा वसीयत प्रारूपण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), विदेशी विधि फर्मों जैसे विभिन्न विषयों पर अतिथि व्याख्यान दिए गए, जो समकालीन युग में प्रासंगिक और महत्वपूर्ण हैं.

शनिवार 12 जुलाई 2025 को, स्थापना दिवस के मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति रमेश देवकीनंदन धानुका (पूर्व मुख्य न्यायाधीश, बॉम्बे उच्च न्यायालय) थे, उन्होंने डिजिटल युग के रुझानों और चुनौतियों में एडीआर की भूमिका पर श्रोताओं को जानकारी दी.

माननीय न्यायाधीश धानुका ने वैकल्पिक विवाद समाधान के पारंपरिक तरीके की तुलना में ओडीआर (ऑनलाइन विवाद समाधान) के गुण और दोषों पर प्रकाश डाला.

एचएसएनसी बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट अनिल हरीश, ट्रस्टी और प्रोवोस्ट, एचएसएनसी विश्वविद्यालय के प्रोवोस्ट श्री किशु मनसुखानी और ट्रस्टी डॉ. माया शाहनी समेत अनेक गणमान्य एचएसएनसी बोर्ड के वर्तमान अध्यक्ष डॉ. निरंजन हीरानंदानी के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में शिरकत की.

गायमुख घाट सड़क की मरम्मत के लिए कंक्रीट करने के लिए ठाणे मनपा आयुक्त सौरभ राव ने दिया निर्देश

ठाणे. चेना गाँव, काजू पाड़ा से गायमुख घाट तक की सड़क की हालत बहुत दयनीय हो गई है। इसका खामियाजा नागरिकों को भुगतना पड़ रहा है। इस सड़क की मरम्मत मानसून के दौरान भी जारी रहे, इसके लिए मनपा आयुक्त सौरभ राव ने निर्देश दिए हैं कि इस घाट सड़क की मरम्मत तुरंत कंक्रीट से किया जाए।फाउंटेन होटल से गायमुख घाट तक ठाणे की ओर जाने वाली सड़क की हालत बहुत खराब है। इस पर बजरी डालने और डामर से ग्राउटिंग करने के बाद भी यह सड़क बार-बार उखड़ रही है। इससे इस पट्टे में सभी वाहनों का आवागमन धीमा हो जाता है।इसके लिए विपरीत दिशा से वाहन आने लगते हैं।यहां ट्रैफिक जाम का असर व्यस्त समय में मुंबई-अहमदाबाद रोड पर महसूस किया जाता है। साथ ही, मीरा रोड तक वाहनों की आवाजाही में देरी हो रही है, यह जानकारी मंगलवार को मनपा आयुक्त सौरभ राव की अध्यक्षता में हुई एक बैठक में पुलिस उपायुक्त (यातायात)

पंकज शिरसाट ने दी। इस सड़क का मूल ढाँचा बह गया है, इसलिए वहा कोई समाधान नहीं निकाला जा सकता मीरा-भायंदर मनपा के लोक निर्माण विभाग के कार्यकारी इंजीनियरों ने बताया कि यातायात की सुविधा के लिए सड़क की नियमित रूप से मरम्मत की जा रही है। यह बारिश का मौसम है, इसलिए मनपा इंजीनियर प्रशांत सोनागरा ने गड्ढों को भरते समय रैपिड हार्डनिंग कंक्रीट का उपयोग करने का सुझाव दिया।मीरा-भायंदर मनपा को तुरंत रैपिड हार्डनिंग कंक्रीट का प्रयोग करना चाहिए। यह कंक्रीट कम से कम समय में सख्त हो जाती है। इसलिए इसे बंद किए बिना सड़क की मरम्मत करना संभव है। घाट रोड की दुर्दशा के कारण नागरिकों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। मनपा आयुक्त सौरभ राव ने बताया कि अगर यह प्रयोग सफल रहा तो घाट क्षेत्र की भी इसी तरह मरम्मत की जाएगी और यातायात सुचारू किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि सभी उपलब्ध तंत्रों का उपयोग करके और स्थानीय पुलिस के साथ समन्वय करके, यह प्रयोग चार घंटे के भीतर सड़क की एक लेन में किया जाना चाहिए।मनपा आयुक्त सौरभ राव के कार्यालय में आयोजित बैठक में नगर अभियंता प्रशांत सोनागरा, पुलिस उपायुक्त (यातायात) पंकज शिरसाट, लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता सिद्धार्थ तांबे, उपायुक्त दिनेश तायडे, उपनगरीय अभियंता विकास ढोले, घोड़बंदर रोड के समन्वयक कार्यकारी अभियंता संजय कदम के साथ मीरा-भायंदर मनपा, एमएमआरडीए, वन विभाग के प्रतिनिधि उपस्थित थे।इसी बैठक में, घोड़बंदर रोड पर सर्विस रोड और मुख्य सड़क को मिलाने का काम मानसून के कारण रोक दिया गया है। हालाँकि कुछ जगहों पर मिलावट की गई है, लेकिन कुछ जगहों पर मूल सड़क और नई सड़क के बीच गैप है। इसलिए, एमएमआरडीए को पूरे घोड़बंदर रोड का तुरंत निरीक्षण करना चाहिए और सड़क को एक समान बनाना चाहिए तथा जहाँ आवश्यक हो, उसकी मरम्मत करनी चाहिए। इसके साथ ही, आयुक्त राव ने लोक निर्माण विभाग को कासरवडावली सिग्नल, ओवला सिग्नल, कपूरबावड़ी फ्लाईओवर पर सड़क की मरम्मत तुरंत पूरी करने के निर्देश भी दिए।

बॉयफ्रेंड की फोटो वाली टीशर्ट में नजर आईं जाह्नवी कपूर

- शिखर पहाड़िया की अनदेखी फोटो को किया फ्लॉन्ट

जाह्नवी कपूर और शिखर पहाड़िया लंबे समय से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं. हालांकि, दोनों ने पब्लिकली अपने रिश्ते को अब तक नहीं स्वीकारा है. लेकिन पार्टी, मंदिर और वेकेशन पर अक्सर दोनों साथ नजर आते हैं. हाल ही में जाह्नवी और शिखर की एक क्यूट फोटो फैंस के बीच वायरल है. वायरल फोटो में एक्ट्रेस रूमर्ड बॉयफ्रेंड की अनदेखी फोटोज और नाम वाली कस्टमाइज्ड टी-शर्ट पहने दिखीं. उनकी इस फोटो को उन दोनों के दोस्त ओरी ने एक थ्रोबैक रील में शेयर किया है.

दरअसल, अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की पहली मैरिज एनिवर्सरी पर कई सेलेब्स ने सोशल मीडिया पर उनके लिए पोस्ट शेयर किया था. ओरी ने भी राधिका-अनंत को विश करते हुए शादी की अनदेखी फोटोज का थ्रोबैक वीडियो शेयर किया. ओरी के शेयर किए गए वीडियो में जाह्नवी शिखर पहाड़िया के नाम और फोटो वाली टी-शर्ट में नजर आ रही हैं. शिखर भी उनके साथ नजर आ रहे हैं.

बता दें कि पिछले कुछ सालों में, जाह्नवी अलग-अलग मौके पर शिखर के लिए प्यार जाहिर कर चुकी हैं. उन्होंने कॉफी विद करण शो में शिखर को 'शिकू' कहकर बुलाया था. फिर वो फिल्म 'मैदान' के प्रीमियर पर शिखर के नाम का लॉकेट पहने भी नजर आईं.

हाल ही में जाह्नवी और शिखर पहाड़िया को विंबलडन 2025 में देखा गया. दोनों लंदन में कार्लोस अल्काराज और टेलर फिट्ज के बीच हुए सेमीफाइल मैच को देखने पहुंचे थे. इसके अलावा कुछ ही दिन पहले जाह्नवी शिखर और बहन खुशी के साथ लंदन में छुट्टियां मनाते नजर आई थीं. जाह्नवी ने अपने सोशल मीडिया पर इस ट्रिप की फोटोज भी शेयर की थी.

उज्ज्वल निकम बोले- मुंबई धमाके रोके जा सकते थे

- संजय दत्त ने जिस वैन से AK-47 उठाई
- उसके बारे में पुलिस को बताते तो लोग न मरते

मुंबई. सीनियर एडवोकेट उज्ज्वल निकम ने कहा कि 1993 के मुंबई बम धमाके रोके जा सकते थे. अगर एक्टर संजय दत्त उस गाड़ी के बारे में पुलिस को बता देते, जिसमें से उन्होंने AK-47 बंदूक उठाई थी तो ये धमाके कभी नहीं होते. हाल ही में निकम को राज्यसभा सदस्य मनोनीत किया गया है.

उन्होंने बताया कि धमाकों से कुछ दिन पहले अबू सलेम (गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम का आदमी) हथियारों से भरी एक वैन लेकर संजय दत्त के घर आया था. उसमें हथगोले और AK-47 थी. संजय ने उसमें से कुछ हथियार ले लिए. बाद में उन्होंने सब लौटा दिए, लेकिन एक AK-47 रख ली.

निकम ने कहा कि इस बारे में पुलिस को जानकारी न देना धमाकों का कारण बना, जिनमें इतने सारे लोग मारे गए. निकम ने ये बातें NDTV को दिए एक इंटरव्यू में कहीं. 12 मार्च 1993 को मुंबई के अलग-अलग इलाकों में सिलसिलेवार 13 बम धमाके हुए थे. इसमें 257 लोगों की मौत हुई थी, जबकि 700 से ज्यादा लोग घायल हुए थे.

निकम बोले- संजय निर्दोष, कानून की नजर में अपराधी

संजय दत्त निर्दोष थे. उन्होंने बंदूक सिर्फ इसलिए रखी, क्योंकि उन्हें हथियारों का शौक था. उन्होंने कानून की नजर में अपराध किया, लेकिन वे सीधे-सादे इंसान हैं. संजय के पास AK-47 थी, लेकिन उन्होंने कभी भी वह बंदूक नहीं चलाई.

CHANGE OF NAME

My old Maiden Name is
Geeta Hiranand Lalwani
Now My New Name is
Anisha Shekhar Jeswaney
Now I will be known as my new name
Anisha Shekhar Jeswaney
Add:. Kavita Niwas, Bk.No.406, Room No.6,
Behind Jeevandeep Tower,
Near Prince Medical, Post Office,
Ulhasnagar-421001.,Dist. Thane.
Anisha Shekhar Jeswaney

आम सूचना

मैं श्री दीपक किशनचंद थारवाणी सभी को सूचित कर रहा हूं कि फ्लैट नं. 307, 3रा माला, बैरक नं. 84, एसईएस हाईस्कूल के पास, रेखा अपार्टमेंट, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 15एआय015792600) उक्त प्रॉपर्टी श्री गुरमुख जी. दरियाणी के नाम पर है. उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 11.12.2023 सी.नं. 01 द्वारा खरीदी है. जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं. अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं. अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है.

सही/-
श्री दीपक किशनचंद थारवाणी

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099